सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बालों के लिए प्याज से ज्यादा उसका तेल है फायदेमंद पेज: 7

शहनाज मेरे लिए परिवार जैसी..... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 115 | बुधवार 29 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

विपक्ष के हंगामे से लोकसभा दोपहर 2 बजे तक स्थगित, पेपर लीक बिल पर टिकी नजर

नई दिल्ली एजेंसी: मंगलवार को विपक्ष की लगातार नारेबाजी और हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में पेपर लीक विरोधी विधेयक पर चर्चा होनी थी, लेकिन विपक्ष ने 20 जुलाई के जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर शोर-शराबा जारी रखा। लोकसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से अपील की कि वे प्रश्नकाल में बाधा न डालें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सत्र की शुरूआत ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के मेडल विजेताओं की तारीफ से की। इसके तुरंत बाद विपक्षी सांसदों ने

नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ने सदस्यों से अपील की कि वे प्रश्नकाल में बाधा न डालें और दोपहर 2 बजे सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा में सहयोग करें, लेकिन हंगामा कम नहीं हुआ। कल का हंगामा और आज की स्थिति सोमवार को केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा बिल पेश करने के बाद भी सदन में अफरा-तफरी मची रही थी। मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से सीधा आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह कानून विपक्ष की मांग पर पेपर लीक रोकने के लिए लाया गया है, अब इस पर चर्चा करना आपकी जिम्मेदारी है रिजिजू ने बताया कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई सदस्य, खासकर युवा सांसद, बिल पर लंबी चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कांग्रेस से युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर रचनात्मक बहस में भाग लेने की अपील की। पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेनेती ने भी विपक्ष से प्लेकार्ड हटाने और सार्थक चर्चा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह बिल छात्रों के भविष्य से जुड़ा है और सदन लंबे समय से इस बहस का इंतजार कर रहा है। लेकिन विपक्ष नहीं माना और हंगामा जारी रहा, जिसके बाद सदन स्थगित करना पड़ा।

विपक्ष 20 जुलाई के छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई पर जवाब मांग रहा है, जबकि सरकार बिल को राष्ट्रीय महत्व का बताते हुए चर्चा पर जोर दे रही है। दोपहर 2 बजे सदन फिर शुरू होगा, जिसमें पेपर लीक बिल पर चर्चा प्रस्तावित है।

ारत के मेडल विजेताओं की तारीफ से की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सत्र की शुरूआत ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के मेडल विजेताओं की तारीफ से की। इसके तुरंत बाद विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ने सदस्यों से अपील की कि वे प्रश्नकाल में बाधा न डालें और दोपहर 2 बजे सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन

पीएम मोदी का पोस्ट हटाने पर मेटा को आईटी मंत्रालय ने किया तलब, कंपनी बोली- गलती से हुआ

नई दिल्ली एजेंसी: सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा के ग्लोबल पब्लिक पॉलिसी हेड को तलब किया है। यह कदम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवाओं के नाम एक फेसबुक पोस्ट को कुछ समय के लिए हटाए जाने के बाद उठाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय ने मेटा से उस पोस्ट को हटाने के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है। यह पोस्ट 23 जुलाई को 'कॉकरोच जनता पार्टी' द्वारा आयोजित छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान पब्लिश किया गया था। इस वीडियो में युवाओं के लिए प्रधानमंत्री का संदेश था, जिसमें उन्होंने पेपर लीक को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का वादा किया था। इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए मेटा के एक प्रवक्ता ने कहा कि पोस्ट गलती से हटा दी गई थी और अब उसे बहाल कर दिया गया है।

असम में बाढ़ का कहर जारी, पीएम मोदी ने कहा- पीड़ितों को बचाने केंद्र-राज्य सरकारें एकसाथ

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार राज्य में बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मोदी ने संसद भवन परिसर में असम के केंद्रीय मंत्रियों और बीजेपी सांसदों से मुलाकात के बाद यह बात कही। इस साल अब तक बाढ़ के कारण 68 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स ' पर एक पोस्ट में कहा कि असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। बैठक में केंद्रीय बंदरगाह,

जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने भाग लिया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, बाढ़ से छह जिलों - शिवसागर, गोलाघाट, चराइदेव, जोरहाट, नागांव और कामरूप (महानगर) में 4,45,495 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ की वजह से कुल 90 राहत कैंप चल रहे हैं, जिनमें 28,695 लोगों को आश्रय दिया गया है। इसके अलावा, राहत सामग्री बांटने वाले 94 केंद्र भी काम कर रहे थे। बुलेटिन के अनुसार, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस के जवानों समेत कई एजेंसियां बचाव और राहत का काम कर रही हैं और प्रभावित इलाकों में 67 नावें तैनात की गई हैं। एएसडीएमए ने बताया कि 37,139.52 हेक्टेयर फसल वाला इलाका अभी भी पानी में डूबा हुआ है और 26,679 जानवर बह गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित जिलों के अलग-अलग हिस्सों से घरों, सड़कों और दूसरे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबरें मिली हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ; किसी नई मौत की खबर नहीं है और कई जिलों में पानी का स्तर घट रहा है। उन्होंने कहा कि एक केंद्रीय टीम ने मौजूदा बाढ़ की मार झेल रहे सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक, शिवसागर का दौरा किया और राज्य के पूर्वी हिस्सों में हालात का जायजा लिया।

केरल में राष्ट्रीय हाइवे प्रोजेक्ट्स पर संकट, वीडी सतीसन ने जोसेफ विजय से की पाबंदियां हटाने की मांग

नई दिल्ली एजेंसी: केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीसन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को पत्र लिखकर निर्माण सामग्री, खासकर पत्थर के एग्रीगेट्स (छोटे पत्थर के टुकड़ों) के अंतर-राज्यीय परिवहन पर लगाई गई पाबंदियों पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस कदम से केरल में कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में देरी हो सकती है। अपने पत्र में सतीसन ने दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर जोर दिया और इसे "भौगोलिक निकटता, सांस्कृतिक समानता और आपसी सहयोग की लंबी परंपरा" पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारों ने अपने लोगों की भलाई और आर्थिक विकास के लिए

सहकारी संघवाद की भावना के साथ लगातार मिलकर काम किया है। तमिलनाडु सरकार की 9 जुलाई की राजपत्र अधिसूचना (गजट नोटिफिकेशन) का ज़िक्र करते हुए, सतीसन ने कहा कि कच्चे पत्थरों और अन्य निर्माण सामग्री के अंतर-राज्यीय परिवहन से जुड़े नए नियमों ने तिरुनेलवेली, तेनकासी और कन्याकुमारी ज़िलों से केरल तक पत्थर के एग्रीगेट्स की आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है। मुख्यमंत्री ने लिखा ये ज़िले पारंपरिक रूप से केरल में कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा करने के लिए जरूरी पत्थर के एग्रीगेट्स के मुख्य स्रोत रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि केरल में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के कामों के लिए उपयुक्त पत्थर के एग्रीगेट्स की उपलब्धता सीमित है और इसलिए राज्य पड़ोसी तमिलनाडु से होने वाली आपूर्ति पर बहुत ज्यादा निर्भर है। उन्होंने चेतावनी दी कि इन पाबंदियों का सप्लाई चेन पर बुरा असर पड़ा है, निर्माण कार्यों में रुकावट आई है और कई अहम राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के पूरा होने में देरी का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। सतीसन ने आगे कहा कि नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स न सिर्फ. केरल के अंदर कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएंगे, बल्कि पूरे दक्षिण भारत में लॉजिस्टिक्स, व्यापार और पर्यटन को भी मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि ये प्रोजेक्ट्स विझिनजम इंटरनेशनल सीपोर्ट और वल्लारपदम में इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल तक आसान कनेक्टिविटी देंगे, जिससे इस इलाके की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

धर्मेंद्र प्रधान के स्वागत पर भड़कीं प्रियंका गांधी, कहा- 'सुपरस्टार' जैसा वेलकम वाकई शर्मनाक है

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यह शर्मनाक है कि शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद, जब धर्मेंद्र प्रधान संसद परिसर पहुंचे तो बीजेपी सांसदों ने उनका स्वागत किसी सुपरस्टार की तरह किया। बता दें कि छात्रों के बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया था। उनका यह बयान तब आया जब संसद परिसर में पार्टी के कुछ सहयोगियों ने पारंपरिक टोपी और स्टोल पहनाकर प्रधान का स्वागत किया और प्रधान ज़िंदाबाद के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने भी चोर, चोर, पेपर चोर जैसे नारे लगाए और उन्हें सम्मानित करने के लिए सत्ताधारी पार्टी की आलोचना की। प्रधान के स्वागत के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने कहा कि क्या आपको यह शर्मनाक नहीं लगता? धर्मेंद्र प्रधान ने किन हालात में इस्तीफा दिया था, यह सबने देखा था, लेकिन कल संसद परिसर में

उनका स्वागत ऐसे किया गया जैसे वे कोई सुपरस्टार हों! उन्होंने छात्रों के साथ सरकार के बर्ताव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि मोदी सरकार पर कोई भरोसा नहीं कर सकता, क्योंकि आज भी छात्रों को परेशान किया जा रहा है। मैंने कुछ इंस्टाग्राम हैंडल देखे जिनमें महिलाओं की तस्वीरें थीं और उन पर तरह-तरह के आरोप लगाए गए थे। कांग्रेस महासचिव ने कहा क्या आप इस मामले को सुलझाने के लिए बातचीत करना चाहते हैं या अभी भी छात्रों को दबाने की कोशिश कर रहे हैं? यह गलत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रधान के स्वागत की आलोचना की थी। सोमवार को एक्स पर हिंदी में किए गए एक पोस्ट में उन्होंने कहा धर्मेंद्र प्रधान भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के प्रतीक हैं और हमेशा रहेंगे। इसी व्यवस्था ने 26 बच्चों की जान ले ली और लाखों युवाओं को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधान ने नैतिक अंतरात्मा की आवाज पर नहीं, बल्कि युवाओं के गुस्से के डर से इस्तीफा दिया।

आदित्य ठाकरे का वादा: परीक्षा विरोध में फंसे छात्रों के लिए यूबीटी सेना लड़ेगी मुफ्त कानूनी जंग

मुंबई: शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र और राज्यों में बीजेपी की सरकारें उन छात्रों को निशाना बना रही हैं जिन्होंने परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई का सामना कर रहे छात्रों को कानूनी मदद का भरोसा भी दिलाया। पत्रकारों से बात करते हुए ठाकरे ने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामले वापस लेने के आश्वासन के बावजूद, कई राज्यों में छात्र अभी भी कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। ठाकरे ने कहा कि पिछले दस दिनों से कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं और युवा छात्र सड़कों पर उतर रहे हैं। यह गुस्सा सरकार के खिलाफ था। हमें बताया गया था कि FIR वापस ले ली जाएंगी। हमने कई जगहों पर छात्रों की मदद की है और शिवसेना (यूबीटी) ने फैसला किया है कि हम उनके केस मुफ्त में लड़ेंगे। मुख्यमंत्री को FIR वापस लेनी चाहिए। अगर किसी को नोटिस मिलता है, तो उसे हमें भेजें। कई वकील ये केस मुफ्त में लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल का इस्तेमाल किया गया और ज़िम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा, "छात्रों पर एके-47 और कई दूसरी चीजों की बौछार की गई। हम उन लोगों पर नजर रखेंगे जिन्होंने बहुत ज्यादा लाठीचार्ज किया। बीजेपी का शासन युवाओं के खिलाफ है।" एंट्रेंस एग्जाम में गड़बड़ियों पर चिंता जताते हुए ठाकरे ने एमएच-सीईटी एग्जाम प्रोसेस को लेकर महाराष्ट्र सरकार से सवाल भी किए। उन्होंने पूछा कि क्या MH-CET में कोई घोटाला हुआ है या नहीं? मुख्यमंत्री को इस पर साफ तौर पर कुछ कहना चाहिए। कई छात्रों का नुकसान हो रहा है। जब एडमिशन प्रोसेस शुरू होगा तो क्या होगा?

बांकीपुर उपचुनाव: तेजस्वी यादव का बड़ा दावा, बोले- राजद की जीत साफ; बीजेपी को घेरा

बिहार एजेंसी: बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को भरोसा जताया कि उनकी पार्टी बिहार में होने वाले बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल करेगी। यादव ने एएनआई से कहा कि हम साफ तौर पर चुनाव जीतने जा रहे हैं। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए, राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बीजेपी पर बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र के युवाओं, किसानों और महिलाओं को धोखा देने का आरोप लगाया। यादव ने सिवान में नीट विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा कथित तौर पर एके-47 राइफलों के इस्तेमाल की औपचारिक न्यायिक जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि पार्टी के सदस्य और हमारे उम्मीदवार लगातार चुनाव क्षेत्र में प्रचार कर रहे हैं... जब चुनाव में किए गए वादों की बात आती है, जैसे करोड़ों नौकरियां देना या महिलाओं को ड्2 लाख देना, तो बीजेपी के वादों और असल में जमीन पर जो हुआ, उसके बीच

बहुत बड़ा फर्क रहा है... हमें पूरा भरोसा है कि हम यह चुनाव जीतेंगे। लोग देख रहे हैं कि बीजेपी ने युवाओं, किसानों और महिलाओं को कैसे धोखा दिया है... दूसरी बात, हमने जो मांगें रखी थीं, उन्हें लेकर हमने सरकार को अल्टीमेटम दिया था। मैंने खुद मुख्यमंत्री को संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो बड़ा आंदोलन होगा। दबाव में आकर उन्हें दो मुद्दों पर झुकना पड़ा। जब जनता सड़कों पर उतरती है, तो सरकार को झुकना ही पड़ता है। हम अभी भी एके-47 वाली घटना की न्यायिक जांच की मांग कर रहे हैं। भारत के चुनाव आयोग ने तीन विधानसभा क्षेत्रों - मध्य प्रदेश में दतिया, गुजरात में मंजलपुर और बिहार में बांकीपुर - के लिए उपचुनावों की घोषणा की है। मतदान 30 जुलाई को होगा और वोटों की गिनती 3 अगस्त को होगी। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद बाकीपुर सीट खाली हो गई। कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती के अयोग्य घोषित होने के कारण दतिया निर्वाचन क्षेत्र खाली हो गया। बीजेपी विधायक योगेशभाई नरनदास पटेल के निधन के बाद मंजलपुर सीट खाली हो गई।

अखिलेश यादव का सरकार पर तंज, 'एक प्रधान' को हटाकर 'प्रधानमंत्री' को बचा लिया

अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने एक 'प्रधान' को हटाकर 'प्रधानमंत्री' को बचा लिया है। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए नीट परीक्षा लीक की जिम्मेदारी और नेशनल

लखनऊ एजेंसी: लोकसभा में पेपर लीक के खिलाफ संशोधन बिल पर चल रही बहस के दौरान सपा के अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने एक 'प्रधान' को बचाने के लिए दूसरे 'प्रधान' को हटा दिया है। अखिलेश यादव ने 'प्रधान' शब्द का मजाकिया अंदाज में इस्तेमाल करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा कि जब मंत्री (पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान) (संसद) पहुँचे, तो सदन के बाहर उनका स्वागत किया गया। सोचिए सदस्यों को कितनी बड़ी राहत मिली होगी और वे किस बड़े संकट से बच गए। एक 'प्रधान' को हटाकर, आपने असल में 'प्रधानमंत्री' को बचा लिया। अखिलेश यादव ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की और सवाल उठाया कि देश की सबसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थाओं में से एक का काम आउटसोर्स क्यों किया गया है। अखिलेश यादव ने लोकसभा में उन नीट उम्मीदवारों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने आत्महत्या कर ली थी। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव का दावा है कि

उत्तर प्रदेश में इखढ के शासनकाल में 10 वर्षों के दौरान 20 बार परीक्षा के पेपर लीक हुए। उन्होंने पार्टी की एक विशेष पुस्तिका से परीक्षा पेपर लीक की सूची भी पढ़कर सुनाई। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समस्या कानूनों की नहीं, बल्कि नीयत की है। उन्होंने कहा कि मैं दूर से ही विरोध-प्रदर्शन देख रहा था। जीत के बाद जो नारे लगाए गए, वे सरकार के खिलाफ थे। यह सरकार इस बात पर गर्व करती थी कि वह किसी के सामने नहीं झुकती। इससे पहले कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में परीक्षा प्रश्नपत्र निरोधक कानून को मोदी सरकार की विफलता का स्मारक करार दिया और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को सदन में इसका जवाब देना चाहिए कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। उन्होंने सदन में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा की शुरूआत करते हुए सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए और यह दावा किया कि 2024 में लाया गया मूल कानून भी पेपर लीक रोकने में नाकाम रहा था और नया प्रस्तावित कानून भी अपने उद्देश्य में सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मंत्री जितेंद्र सिंह के वक्तव्य और विधेयक के प्रावधानों से स्पष्ट है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीर नहीं है और यह केवल दिखावे का विधेयक है। उनके मुताबिक, 2024 में जब इसी तरह का विधेयक लाया गया था तब सरकार ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए दावा किया था कि पेपर लीक नहीं होगा, लेकिन उसी वर्ष नीट-यूजी पेपर लीक मामले में 45 लोगों को आरोपी बनाया गया, जिनमें से अधिकतर को जमानत मिल चुकी है। उनका कहना था कि मामले के कथित मास्टरमाइंड को भी जमानत मिल गई।

संपादकीय

निजी आजादी पर रोक क्यों

देश में गाहे-बगाहे असहमति के अधिकार और व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते? हाल-फिलहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि, देर-सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं। निस्संदेह, इस आलोक में देश की न्यायपालिका को भी, जो संवैधानिक अधिकारों की संरक्षक भी है, अपनी भूमिका की नये सिरे से समीक्षा करनी चाहिए। सिर्फ न्यायिक फैसलों से ही आजादी की रक्षा नहीं की जा सकती। निर्विवाद रूप से प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपाय भी मायने रखते हैं क्योंकि प्रक्रिया खुद नागरिकों के जीवन पर असर डालती है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की न्यायिक जवाबदेही की मांग बहुत सही समय पर सामने आई है। निर्विवाद रूप से आलोचना से अदालतें कमजोर नहीं होती हैं वरन जब उसके फैसलों की खुलकर समीक्षा की जाती है तो वे और मजबूत होती हैं। संस्थाओं में जनता का भरोसा उसकी कार्यशैली, तर्क और विनम्रता से ही आता है, न कि जांच-पड़ताल से बचने की प्रवृत्ति से। न्यायमूर्ति ने अपनी बात कहकर सार्वजनिक विमर्श के लिये इस मुद्दे को रख दिया है। अब देश के विभिन्न पक्षों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र तभी अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़ सकता है जब नागरिकों में वैचारिक आजादी की पर्याप्त जगह हो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है।

माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है।

भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।

समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरूआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी। संयुक्त परिवार की आत्मा, रिश्तों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को पुनर्जीवित करना ही इस युग की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता है। यही सुप्रीम कोर्ट की चिंता का वास्तविक संदेश है और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

श्रद्धा,समर्पण और आत्मबोध का महापर्व-गुरु पूर्णिमा

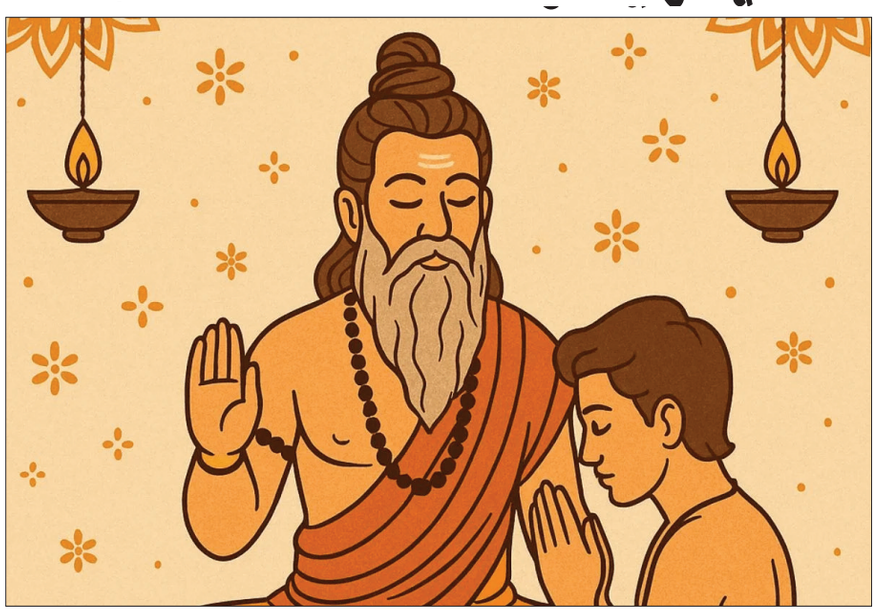

महर्षि वेदव्यास से उपनिषदों तक गुरु-शिष्य परम्परा का अमर आलोक...

भारतीय संस्कृति का सम्पूर्ण आध्यात्मिक वैभव यदि किसी एक सूत्र में पिरोया जा सकता है तो वह है-गुरु।सनातन परम्परा में गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं,बल्कि चेतना का जागरण करने वाला वह दिव्य पुरुष है जो शिष्य के भीतर सुप्त ब्रह्मज्ञान को जागृत करता है।संसार में माता- पिता शरीर को जन्म देते हैं,किन्तु गुरु आत्मा का पुनर्जन्म कराते हैं।इसीलिए भारतीय दर्शन ने गुरु को देवताओं से भी उच्च स्थान प्रदान करते हुए उद्घोष किया -'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरः।गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥' यह केवल स्तुति नहीं,बल्कि भारतीय अध्यात्म का शाश्वत सत्य है।गुरु ही वह सेतु हैं जो जीव को शिव से,जिज्ञासा को ज्ञान से और आत्मा को परमात्मा से जोड़ते हैं।गुरु पूर्णिमा उसी सनातन परम्परा के प्रति श्रद्धा,कृतज्ञता और समर्पण का महापर्व है।आषाढ़ मास की पूर्णिमा भारतीय अध्यात्म में इसलिए भी अत्यंत पवित्र मानी गई है क्योंकि यह महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास की जयंती है।भारतीय ज्ञान परम्परा उन्हें केवल महाकवि या ग्रन्थकार के रूप में नहीं,बल्कि जगद्गुरु के रूप में स्मरण करती है।यदि वेदव्यास न होते तो सम्भवतः वेदों का विशाल ज्ञान सामान्य जन तक कभी व्यवस्थित रूप में नहीं पहुँच पाता।उन्होंने एक अखण्ड वैदिक ज्ञानधारा को चार वेदों-ऋग्वेद,यजुर्वेद,सामवेद और अथर्ववेद -में व्यवस्थित किया।यही कारण है कि उन्हें 'वेदव्यास' की उपाधि प्राप्त हुई।महर्षि वेदव्यास ने केवल वेदों का विभाजन ही नहीं किया,बल्कि महाभारत जैसे विश्व के सबसे विशाल महाकाव्य की रचना की, अठारह पुराणों का संकलन किया तथा ब्रह्मसूत्र की रचना कर वेदान्त दर्शन को दार्शनिक आधार प्रदान किया।श्रीमद्भागवत महापुराण के माध्यम से उन्होंने भक्ति को ज्ञान और वैराग्य के साथ जोड़कर भारतीय अध्यात्म को नई दिशा दी।इसलिए गुरु पूर्णिमा वस्तुतः भारतीय ज्ञान परम्परा के उस महर्षि को नमन करने का दिन है,जिन्होंने ज्ञान को सीमित वर्ग से निकालकर सम्पूर्ण मानवता की धरोहर बना दिया।भारतीय संस्कृति में ज्ञान कभी व्यापार नहीं रहा।वह सदैव साधना का विषय रहा है।यही कारण है कि यहाँ शिक्षा का प्रारम्भ 'विद्या' से होता है और उसका समापन 'ब्रह्मविद्या' पर। वेदों में ज्ञान का उद्देश्य केवल आजीविका नहीं,बल्कि जीवन का आलोक है।ऋग्वेद का उद्घोष - 'आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात चारों दिशाओं से कल्याणकारी विचार हमारे पास आएँ-भारतीय ज्ञान परम्परा की उदारता का प्रतीक है।वहीं यजुर्वेद का संदेश-'तमसो मा ज्योतिर्गमय'-अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल-वस्तुतः गुरु की ही भूमिका का दार्शनिक प्रतिपादन है।उपनिषदों में गुरु का स्वरूप और भी विराट हो जाता है।वहाँ गुरु केवल उपदेशक नहीं,बल्कि सत्य का साक्षात अनुभव कराने वाले महापुरुष हैं। मुण्डकोपनिषद् स्पष्ट कहता है - 'तद्विज्ञानार्थंसगुरुमेवाभिगच्छेत्।' अर्थात ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के लिए मनुष्य को गुरु के पास ही जाना चाहिए।यह आदेश नहीं, बल्कि अनुभव का निष्कर्ष है। आत्मज्ञान पुस्तकों से नहीं, अनुभूति से प्राप्त होता है और अनुभूति का मार्ग गुरु ही दिखाते हैं।उपनिषदों के अनेक प्रसंग गुरु-शिष्य परम्परा की गरिमा को अमर बनाते हैं।कठोपनिषद् में नचिकेता का यमराज से संवाद केवल प्रश्नोत्तर नहीं,बल्कि जिज्ञासा,धैर्य और सत्य की साधना का अनुपम उदाहरण है।छान्दोग्य उपनिषद् में उद्दालक ऋषि अपने पुत्र श्वेतकेतु से कहते हैं 'तत्त्वमसि' अर्थात वही परम सत्य तुम स्वयं हो।यह केवल दार्शनिक वाक्य नहीं,बल्कि आत्मबोध की पराकाष्ठा है।इसी प्रकार सत्यकाम जाबाल की सत्यनिष्ठा को देखकर ऋषि गौतम उन्हें शिष्य रूप में स्वीकार करते हैं।इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय गुरु परम्परा में जन्म नहीं,बल्कि सत्य और पात्रता का सम्मान था।गुरु और शिष्य का सम्बन्ध किसी अनुबंध पर नहीं,बल्कि श्रद्धा पर आधारित होता है।श्रद्धा वह भूमि है जहाँ ज्ञान का बीज अंकुरित होता है। सेवा उस बीज को पोषण देती है।समर्पण उसे वृक्ष बनाता है और साधना उसके फल को अमृत बना देती है।इसलिए भारतीय परम्परा में गुरु सेवा को साधना का अभिन्न अंग माना गया है।सेवा का अर्थ केवल शारीरिक श्रम नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य अपना अहंकार गुरु के चरणों में रख देता है,तभी उसके भीतर ज्ञान का उदय होता है।इसी कारण भारतीय दर्शन में कहा गया है कि ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञान नहीं,बल्कि अहंकार है।जिस पात्र में पहले से ही अपने ज्ञान का अभिमान भरा हो,उसमें गुरु नया ज्ञान कैसे भरेंगे? इसलिए गुरु के समीप पहुँचने से पहले शिष्य को अपने भीतर विनम्रता,संयम और श्रद्धा का दीप प्रज्वलित करना पड़ता है।भारतीय गुरुकुल व्यवस्था इसी दर्शन पर आधारित थी।वहाँ शिक्षा केवल शास्त्रों का अध्ययन नहीं थी।शिष्य गुरु के आश्रम में रहकर सेवा,अनुशासन, तप,संयम,आत्मसंयम और प्रकृति के साथ सामंजस्य का अभ्यास करता था।ज्ञान जीवन का व्यवहार बनता था।शिक्षा का उद्देश्य प्रतियोगिता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण था।इसीलिए उस व्यवस्था से निकले विद्यार्थी केवल विद्वान नहीं,बल्कि ऋषि,दार्शनिक,योद्धा, नीति-निमार्ता और लोकमंगल के साधक बने।भारतीय अध्यात्म में गुरु का सबसे बड़ा कार्य शिष्य को स्वयं से परिचित कराना है।संसार का प्रत्येक ज्ञान बाहर से प्राप्त किया जा सकता है,किन्तु आत्मज्ञान भीतर से ही प्रकट होता है।गुरु उस भीतरी द्वार को खोलते हैं जहाँ आत्मा का साक्षात्कार होता है।इसलिए संत कबीर ने अत्यन्त सरल किन्तु गहन शब्दों में कहा– 'गुरु गोविन्द दोऊ खड़े,काके लागूं पाय।बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय॥' कबीर का यह दोहा भारतीय त अध्यात्म का सार है।ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग भी गुरु ही दिखाते हैं।इसलिए गुरु का सम्मान व्यक्ति-पूजा नहीं,बल्कि ज्ञान-पूजा है।गुरु पूर्णिमा उसी ज्ञान-ज्योति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है,जिसने हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति को आलोकित रखा है।गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश केवल गुरु की वंदना तक सीमित नहीं है,बल्कि गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी है।भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में श्रद्धा,सेवा, समर्पण और साधना- ये चार स्तम्भ गुरु-शिष्य संबंध की आधारशिला हैं।श्रद्धा के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं होता,सेवा के बिना विनम्रता नहीं आती,समर्पण के बिना अहंकार का क्षय नहीं होता और साधना के बिना आत्मबोध संभव नहीं है।यही कारण है कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को केवल बौद्धिक उपलब्धि नहीं माना,बल्कि जीवन की तपश्चर्या का परिणाम बताया।भारतीय दर्शन में श्रद्धा का अर्थ अंधविश्वास नहीं है।श्रद्धा सत्य को जानने की उत्कट इच्छा है।भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं-'श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्।'अर्थात श्रद्धावान व्यक्ति ही ज्ञान प्राप्त करता है।श्रद्धा वह प्रकाश है जो शिष्य को गुरु के वचनों का वास्तविक अर्थ समझने की पात्रता प्रदान करता है।जहाँ श्रद्धा समाप्त होती है,वहाँ शिक्षा सूचना बन जाती है; जहाँ श्रद्धा जीवित रहती है,वहीं शिक्षा आत्मबोध का माध्यम बनती है।सेवा भारतीय गुरु-परम्परा का दूसरा अनिवार्य आयाम है।गुरु की सेवा का तात्पर्य केवल उनके आश्रम या निवास की व्यवस्था करना नहीं था,बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना था।गुरु के प्रति विनम्रता, अनुशासन,संयम और कर्तव्यनिष्ठा ही वास्तविक सेवा मानी गई।सेवा शिष्य के भीतर छिपे अहंकार को गलाकर उसे ज्ञान ग्रहण करने योग्य बनाती है। भारतीय गुरुकुलों में यही कारण था कि राजकुमार और सामान्य परिवार का बालक समान रूप से आश्रम की सेवा करते थे।वहाँ पद,प्रतिष्ठा और संपत्ति का नहीं,बल्कि संस्कार और साधना का महत्व था।समर्पण गुरु-शिष्य परम्परा का तीसरा सोपान है।समर्पण का अर्थ अपनी बुद्धि का परित्याग नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य यह स्वीकार करता है कि सत्य उससे बड़ा है और गुरु उस सत्य के अनुभवी पथप्रदर्शक हैं,तभी उसके भीतर ज्ञान का वास्तविक उदय होता है।उपनिषदों के सभी महत्त्वपूर्ण संवाद इसी समर्पण की भूमि पर खड़े हैं।प्रश्न करना भारतीय परम्परा में वर्जित नहीं था,किन्तु प्रश्न के पीछे जिज्ञासा होनी चाहिए,अहंकार नहीं।यही कारण है कि उपनिषदों के संवाद आज भी विश्व की महानतम दार्शनिक धरोहर माने जाते हैं।साधना इन सबका चरम रूप है।साधना केवल जंगलों में तपस्या का नाम नहीं है।अपने विचारों को शुद्ध करना,इन्द्रियों पर संयम रखना, सत्य का पालन करना,करुणा का विस्तार करना और निरन्तर आत्मचिंतन करते रहना भी साधना है।गुरु शिष्य को बाहरी संसार से भागना नहीं सिखाते, बल्कि संसार के बीच रहते हुए स्वयं पर विजय प्राप्त करना सिखाते हैं।भारतीय अध्यात्म का यही वैशिष्ट्य है कि वह जीवन से पलायन नहीं,बल्कि जीवन का परिष्कार सिखाता है।सनातन परम्परा के महान आचार्यों-आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, 'मध्वाचार्य,निम्बाकाचार्य, वल्लभाचार्य, रामानन्द,चैतन्य महाप्रभु,गुरु नानक देव,संत कबीर,संत रविदास,तुलसीदास और स्वामी विवेकानन्द-सभी ने अपने-अपने समय में गुरु परम्परा को नई ऊर्जा प्रदान की।युग बदलते रहे,परिस्थितियाँ बदलती रहीं,किन्तु गुरु का स्वरूप नहीं बदला।उन्होंने समाज को केवल धर्म नहीं दिया,बल्कि सत्य, करुणा,समानता और मानवता का मार्ग भी दिखाया।आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता,डिजिटल तकनीक और त्वरित सूचना का युग है।ज्ञान के स्रोत पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं,किन्तु मनुष्य के भीतर शांति,संतुलन और आत्मविश्वास का संकट भी उतना ही गहरा हुआ है।सूचना का विस्तार हुआ है,परन्तु आत्मबोध का विस्तार नहीं हो पाया।ऐसे समय में गुरु की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।आधुनिक तकनीक हमें जानकारी दे सकती है,किन्तु विवेक नहीं,वह उत्तर दे सकती है,किन्तु जीवन का उद्देश्य नहीं बता सकती।यही कार्य गुरु करते हैं।गुरु मनुष्य को केवल सफल नहीं,बल्कि सार्थक बनाते हैं।गुरु पूर्णिमा हमें यह भी स्मरण कराती है कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में अनेक गुरु होते हैं।माता-पिता प्रथम गुरु हैं, शिक्षक विद्या के गुरु हैं,प्रकृति मौन गुरु है,अनुभव जीवन का गुरु है और अंततः आत्मा स्वयं परम गुरु की ओर ले जाने वाला सेतु बन जाती है।इसलिए भारतीय संस्कृति में गुरु का स्वरूप सीमित नहीं,बल्कि विराट है।जहाँ कहीं से भी सत्य का प्रकाश प्राप्त हो,वही गुरु है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम गुरु पूर्णिमा को केवल औपचारिक कार्यक्रम या पुष्पांजलि तक सीमित न रखें।यदि हम वास्तव में इस पर्व का सम्मान करना चाहते हैं तो अपने जीवन में सत्य,अनुशासन, विनम्रता,सेवा,करुणा और आत्मसंयम को स्थान दें।यही महर्षि वेदव्यास के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही भारतीय ऋषि-परम्परा का सम्मान भी।महर्षि वेदव्यास ने जिस ज्ञान-गंगा को प्रवाहित किया,वह आज भी उतनी ही निर्मल और प्रासंगिक है।वेदों का प्रकाश,उपनिषदों की अनुभूति, पुराणों की प्रेरणा और महाभारत का जीवन-दर्शन-इन सबका मूल उद्देश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना है।गुरु पूर्णिमा उसी अमर परम्परा का स्मरण- पर्व है,हमें बताती है कि जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष है।अंततः गुरु पूर्णिमा हमें संदेश देती है कि गुरु के चरणों में झुकना किसी व्यक्ति के सामने झुकना नहीं, बल्कि ज्ञान,सत्य और सनातन संस्कृति के समक्ष विनम्र होना है।जब तक भारत की धरती पर गुरु-शिष्य परम्परा जीवित रहेगी,तब तक वेदों की वाणी, उपनिषदों का चिंतन,ऋषियों की तपश्चर्या और अध्यात्म का प्रकाश कभी मंद नहीं होगा।यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है,यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही वह अमर ज्योति है जो युगों-युगों तक सम्पूर्ण मानवता का पथ आलोकित करती रहेगी।

अमरोहा
बुधवार 29 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

साइबर क्राइम पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का एक वांछित गिरफ्तार किया

Shine.com और Naukri.com का डाटा लेकर ठगी करते थे, प्रतिबिंब पोर्टल से खुला राज

अमरोहा (सब का सपना):- साइबर क्राइम थाना अमरोहा पुलिस ने प्रतिबिंब पोर्टल पर प्रदर्शित संदिग्ध मोबाइल नंबरों की जांच के क्रम में ऑनलाइन नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के 01 वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त रोहन यादव पुत्र जय प्रकाश, निवासी मौ0 कुंदन नगर, निकट रामलीला मैदान, लाइन पार, थाना मझौला, जनपद मुरादाबाद है। साइबर क्राइम थाना अमरोहा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-01/2026, धारा 318(4), 319(2), 317(2), 338, 336(3), 340(2), 61(2) BNS व 66(सी)/66(डी) आईटी एक्ट से संबंधित जांच में प्रकाश में आया कि अभियुक्त Shine.com U Naukri.com से डाटा प्राप्त कर लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी कर रहे थे।

17 जून 2025 को अभियुक्तों ने पोर्टलों से डाटा लेकर पीड़ित आशुतोष सैन, निवासी बाजार टोला 983, ताला, अमरपाटन, जिला मैहर, मध्य प्रदेश के साथ नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की। अभियुक्त पिछले 1 साल से देश के अलग-अलग हिस्सों के लोगों के साथ इसी तरीके से साइबर फ्रॉड कर रहे थे। पूछताछ में पता चला कि अभियुक्त मुकुल कंपनी से नौकरी की तलाश कर रहे लोगों का डाटा लेकर मो0 फहीम व साहबाज अहमद के पास भेजता था। ये लोग फोन करके रजिस्ट्रेशन फीस 1980 रु, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 3500 रु, ऑफर लेटर 6500 रु आदि के नाम पर अलग-अलग फर्जी बैंक खातों में पैसे जमा कराते थे। इसके बाद फोन नंबर ब्लैकलिस्ट कर देते थे। विशाल व उसके भाई रोहन यादव इस पैसे को विभिन्न ATM से निकालते थे और गरीब लोगों के नाम पर बैंक खाते व सिम कार्ड खुलवाकर गिरोह को उपलब्ध कराते थे। उल्लेखनीय है कि प्रतिबिंब पोर्टल भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तहत I4C द्वारा विकसित अत्याधुनिक साइबर अपराध निगरानी प्रणाली है। जब 1930 या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज होती है तो मोबाइल नंबर और बैंक खाते प्रतिबिंब में दर्ज होकर Geo-mapping के जरिए अपराधी की लोकेशन बताते हैं। इसी आधार पर जांच कर गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने कहा है कि साइबर अपराध के प्रति जागरूकता ही बचाव है। साइबर अपराध के शिकार होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करें, www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें या नजदीकी थाने की साइबर हेल्प डेस्क पर संपर्क करें।

भारतीय किसान यूनियन शंकर की मासिक पंचायत में 8 सूत्रीय मांगपत्र पारित

कच्चे रास्ते, आवारा पशु और बिजली की समस्या पर गहरा रोष, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना):- पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार भारतीय किसान यूनियन शंकर की मासिक पंचायत रहरा ब्लॉक प्रांगण में आयोजित की गई। पंचायत की अध्यक्षता कमल सिंह ठाकुर ने की तथा संचालन देवेंद्र सिंह ने किया। वक्ताओं ने क्षेत्र की तमाम समस्याओं पर विचार कर शासन-प्रशासन से समाधान की मांग की। पंचायत में सर्वसम्मति से 8 सूत्रीय मांगपत्र पारित किया गया, जिसमें मां अवंतिका देवी मंदिर के सामने पैटर्न पुल पर आए दिन दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। भाकियू मांग करती है कि गांव मलकपुर के सामने पक्का पुल बनाया जाए। साथ ही हरिद्वार की तर्ज पर इलेक्ट्रॉनिक शवदाह गृह व सौंदर्यीकरण कराया जाए। गंगेश्वरी क्षेत्र में सिरसा एतमाली से सिलारा तक हरि बाबा धाम का रास्ता कच्चा है। सावन में लाखों कांवड़ यात्री जल

चढ़ाने जाते हैं। दिक्कत को देखते हुए बांध का सर्वे कराकर रास्ता पक्का कराया जाए। गंगेश्वरी क्षेत्र में आवारा पशुओं से किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। करोड़ों की गौशाला शो पीस बनी है। मांग है कि आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजा जाए। कांवड़ यात्रा 29 जुलाई 26 से शुरू हो रही है, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन प्रत्येक माह समय पर दिलाया जाए। कई महीनों तक वेतन न मिलने से उनके परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। चचोरा T20 बिजली घर से भरपूर सप्लाई की जाए ताकि किसानों को शेड्यूल के अनुसार दिन-रात बिजली मिल सके और गर्मी से राहत मिले। हसनपुर तहसील में नाम व अंश में गड़बड़ी से किसानों की फार्मर आईडी नहीं बन पा रही। इससे खाद नहीं मिल पा रही। तहसील व जिला प्रशासन ध्यान दे। डॉ. स्वामीनाथन रिपोर्ट के अनुसार किसान आयोग का गठन, गजरौला में ट्रामा सेंटर की स्थापना व जिला अमरोहा को विकास प्राधिकरण का दर्जा दिया जाए। शासन-प्रशासन से मांग है कि कांवड़ यात्रियों को आवारा पशुओं से सुरक्षा दी जाए। किसी दुर्घटना की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।पंचायत में सीएचसी प्रभारी रहरा ने अपने असिस्टेंट को भेजकर किसानों की समस्याएं सुनीं और अति शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. योगेंद्र कुमार, ब्लॉक उपाध्यक्ष शीशपाल सिंह, कोषाध्यक्ष कमल ठाकुर, मीडिया प्रभारी राकेश कुमार दौरारा, युवा ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, शिवकुमार, लल्लू, बालकिशन, राधेकृष्ण, कलुआ, मामराज, चरण सिंह, मुंशीलाल, लखपत, राणा, सुधीर आदि मौजूद रहे।

वर्ल्ड हेपटाइटिस दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य कैंप का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला अस्पताल में वर्ल्ड हेपटाइटिस दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया है। कैंप का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अश्वनी कुमार भंडारी जिला संयुक्त चिकित्सालय तथा नोडल अधिकारी हेपटाइटिस कार्यक्रम (जिला पैथोलॉजिस्ट) डॉ प्रमोद कुमार द्वारा

संयुक्त रूप से किया गया है, कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से जिला एपिडेमियोलॉजी डॉ जावेद अख्तार सिद्दीकी द्वारा कैंप में उपस्थिति दर्ज.की गई है। स्वास्थ्य कैंप में 180 रोगियों की जांच की गई है, 05 रोगी हेपटाइटिस C और 01 रोगी हेपटाइटिस B के पाए गए है जिनकी वाईरल लोड हेतु रक्त सैंपल भेजे गये है। लैब से वायरल लोड की संख्या की पुष्टि होने पर उनका इलाज शुरू कर दिया जायेगा।

जेबीएफ ने कराई प्रतिभा पुरस्कार परीक्षा, 80 विजेताओं को मिलेंगे टेबलेट

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन द्वारा प्रतिभा सम्मान परीक्षा का आयोजन किया गया। इसमें विकासखंड के 20 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों के 800 बच्चों ने प्रतिभाग किया। 80 छात्रों का चयन कर उन्हें अगस्त माह में टेबलेट प्रदान किए जाएंगे। खंड शिक्षा अधिकारी आरती गुप्ता ने जुबिलेंट के इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़

सकेंगे। गजरौला में तीन केंद्रों कम्पोजिट विद्यालय कांकाठेर, कंपोजिट विद्यालय सिहाली जागीर एवं नगर में बस्ती स्थित कंपोजिट विद्यालय गजरौला प्रथम मेंपर जेबीएफ प्रतिभा सम्मान परीक्षा का आयोजन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी आरती गुप्ता ने सभी केंद्रों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाएं देखीं। जेबीएफ के कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव भी साथ रहे। विशाल गौरव ने बताया कि इस परीक्षा में कक्षा छह में अध्ययनरत बच्चों ने भाग लिया।

80 छात्र-छात्राओं का चयन कर उन्हें अगस्त माह में टेबलेट प्रदान किए जाएंगे। इन टैबलेट्स में बच्चों के बौद्धिक विकास हेतु शैक्षणिक सॉफ्टवेयर डाउनलोड रहेगा।। जिसके माध्यम से बच्चे हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित विषयों का ज्ञान ले सकेंगे।

छात्रवृत्ति योजना 2026-27 के अंतर्गत मास्टर डाटा पूर्ण करने के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने अवगत कराया कि वर्ष 2026-27 हेतु पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12) योजनान्तर्गत अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति (शैक्षिक भत्ता एवं शुल्क प्रतिपूर्ति) भुगतान हेतु प्रक्रिया की समय सारणी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि कक्षा 09 से 12 तक के समस्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटा पूर्ण किए जाने हेतु 22 जुलाई 2026 से 05 अगस्त 2026 तक

की समय सीमा निर्धारित की गई है। समस्त विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि मास्टर डाटा पूर्ण करने का शत-प्रतिशत कार्य दिनांक 03 अगस्त 2026 तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों के नाम मास्टर डाटा में एक से अधिक बार अंकित हैं, उनके नाम हटाए जाने हेतु प्रस्ताव तीन दिवस के अंदर जिला समाज कल्याण अधिकारी, अमरोहा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि निदेशालय समाज कल्याण उत्तर प्रदेश, लखनऊ से आवश्यक अनुरोध किया जा सके। उन्होंने समस्त नामित नोडल प्रधानाचार्यों से अपेक्षा की है कि वे संलग्न प्रारूप पर सूचना जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी, अमरोहा को प्रत्येक दिवस सायं 04:00 बजे तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा संकलित सूचना मुख्य विकास अधिकारी को समय से प्रस्तुत की जाए, जिससे समय से मास्टर डाटा पूर्ण कराया जाना संभव हो सके।

सावन माह कावड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट, स्वच्छता अभियान तेज

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में आगामी सावन माह की पावन कावड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयारियों में जुट गया है। श्रद्धालु कावड़ियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। जिला पंचायत राज विभाग द्वारा जिले भर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। सफाई कर्मचारियों को विशेष रूप से मंदिरों के आसपास और प्रमुख मार्गों पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस क्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार ने सोमवार को ग्राम पंचायत फरीदपुर

इम्मा, गजस्थल, भवानी बॉर्डर, कुमराला और बादशाहपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भवानी बॉर्डर पर स्थित हैंडपंप को ठीक करने के तुरंत निर्देश दिए गए। साथ ही अन्य ग्राम पंचायतों में तैनात सफाई कर्मचारियों को मंदिर परिसर, आसपास के रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर सतत स्वच्छता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए। नितिन कुमार ने कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान किसी भी कावड़िये को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। घरों के आसपास या सड़कों पर कूड़ा-कचरा न फैले, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से कार्य की मॉनिटरिंग करने और किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करने को कहा। जिला प्रशासन का प्रयास है कि इस बार की कावड़ यात्रा पूर्ण रूप से स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुरक्षित रहे।

डीएम ने श्री वासुदेव तीर्थ का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण मास एवं आगामी कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने श्री वासुदेव तीर्थ एवं कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने यात्रा मार्ग पर जलभराव वाले क्षेत्रों का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि जलभराव की समस्या का तत्काल प्रभाव से निराकरण कराया जाए तथा ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए कि

दोबारा जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।जिलाधिकारी ने शास्त्री नगर से श्री वासुदेव मंदिर को आने वाले मार्ग पर जलभराव एवं कीचड़ का संज्ञान लेते हुए तत्काल पानी की निकासी कराने तथा मार्ग को कल तक आवागमन योग्य बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कल तक हर हाल में पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने यात्रा मार्गों एवं उन प्रमुख मंदिरों, जहां श्रावण मास में जलाभिषेक किया जाना है, वहां विशेष साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, प्रवेश-निकास मार्ग, भीड़ प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अपने दायित्वों का पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें तथा किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के निदेशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत गठित जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सबसे पहले सीएम डैशबोर्ड पर ग्रेडिंग वाले बिंदुओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत आशा कार्यकताओं एवं लाभार्थियों का भुगतान शीघ्रता से करने के निर्देश

दिए। अश्वनी कुमार मिश्र ने सभी राजकीय स्वास्थ्य इकाईयो में संस्थागत प्रसव बढ़ाने के निर्देश सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को दिए। संस्थागत प्रसव बढ़ाने हेतु आशा/ए०एन०एम० के कार्यों की समीक्षा करें और खराब कार्य करने वाली आशाओं पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। नियमित टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। चिकित्सालयों में संस्थागत प्रसवों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। आयुष्मान भारत योजना के तहत शहरी क्षेत्रों में धीमी प्रगति पर शेष पात्रों के आयुष्मान कार्ड वार्डवार अभियान चलाकर बनाने के निर्देश दिए। 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता से बनाने के निर्देश दिए। जिनके नहीं बन रहे कारण सहित उसकी जानकारी एक सप्ताह में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में एफआरयू की प्रगति, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, ई-संजीवनी ओपीडी, ई-कवच, आभा आईडी, टीबी कार्यक्रम, आशा भुगतान और टीकाकरण की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर, सीएमएस डॉ. एके भंडारी सहित सभी संबंधित अधिकारी एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला में साईकिल सवार को डीसीएम ने मारी टक्कर, हायर सेंटर रेफर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में एक साइकिल सवार दिव्यांग युवक को एक डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल दिव्यांग युवक को आनन फानन में नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र की धनौरा रोड फाजलपुर फाटक के निकट का जहां पर एक तेज रफ्तार डीसीएम ने एक साइकिल सवार दिव्यांग युवक किशोर पुत्र रमेश निवासी तिगरिया भूड़ को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही दिव्यांग किशोर सड़क पर गिर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया ।हादसा होते ही मौके पर राहगीरो एवं स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। वहीं मौके पर 112 नंबर डायल भी पहुंच गई जिसने आनन-फानन में घायल किशोर को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार दिया और उसकी हालत गंभीर होते देख उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी देते हुए घायल किशोर के बेटे ने बताया कि उसके पिता किशोर घर से साइकिल पर सवार होकर गजरौला सामान लेने जा रहे थे जैसे ही वह धनौरा रोड स्थित फाजलपुर फाटक के निकट स्थित धर्म कांटे के पास पहुंचे तो एक तेज रफ्तार डीसीएम ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में घायल किशोर को सिर एवं पैर में गंभीर चोटें आई हैं। डॉक्टर ने इस केस को हेडइंजरी का मामला बताया है, फिलहाल डॉक्टरों के मुताबिक घायल युवक की हालत स्थिर बताई जा रही है।

निपुण भारत मिशन पर कार्यशाला आयोजित, लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति पर दिया गया जोर

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के एक प्रतिष्ठित निजी बैंक्वेट हॉल में निपुण भारत मिशन, विजन एवं रणनीति विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद अमरोहा, सम्भल एवं बुलन्दशहर के एसआरजी, एआरपी, डायट मेंटर एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों ने सक्रिय प्रतिभाग किया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी, प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढनपुर तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। राज्य स्तरीय संदर्भदाता शुभम गर्ग, निपुण भारत सैल, राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ ने प्रतिभागियों को निपुण भारत मिशन के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध

तरीके से प्राप्त करने तथा शैक्षिक सत्र 2026-27 की अकादमिक रणनीति पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। सभी एसआरजी एवं एआरपी ने पूर्ण मनोयोग से कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) प्रशांत कुमार गुप्ता ने किया। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त एआरपी व एसआरजी को अपने दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढनपुर ने अमरोहा जनपद को निपुण जनपद बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा ने समस्त प्रतिभागियों को निपुण शपथ दिलाई और धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन किया।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल/अमरोहा
अमरोहा
बुधवार 29 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

गजरौला स्थित खैतान वर्ल्ड स्कूल में विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला स्थित खैतान वर्ल्ड स्कूल में विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (VIMS) गजरौला के सहयोग से एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन कराया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन कर उन्हें स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा तथा प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान करना रहा। बता दें कि इस अवसर पर वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज गजरौला से आए अनुभवी चिकित्सकों एवं मेडिकल विशेषज्ञों की टीम ने विद्यार्थियों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर के दौरान नेत्र परीक्षण, श्रवण परीक्षण ,दंत परीक्षण, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण तथा पोषण संबंधी मूल्यांकन किया गया साथ ही विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त जल सेवन तथा स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। जांच के दौरान प्रत्येक विद्यार्थी के स्वास्थ्य का विस्तृत परीक्षण किया गया तथा आवश्यकता अनुसार चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श एवं सुझाव भी दिए गए। इस पहल से विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों को भी अपने बच्चों के स्वास्थ्य की सही जानकारी प्राप्त हुई, जिससे समय रहते आवश्यक देखभाल सुनिश्चित की जा सके। विद्यालय की प्रधानाचार्य मानसी शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि 'एक स्वस्थ्य विद्यार्थी ही अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं विद्यालय का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ही नहीं है बल्कि विद्यार्थियों के शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य का भी समान रूप से ध्यान रखना है। वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज गजरौला के सहयोग से आयोजित यह स्वास्थ्य जांच शिविर विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है ऐसे आयोजन बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करते हैं और उन्हें स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। विद्यालय के चेयरमैन सर्वेंद्र कुमार ने वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज गजरौला के चिकित्सकों एवं मेडिकल टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का स्वास्थ्य उनकी शिक्षा जितना ही महत्वपूर्ण है स्वस्थ्य शरीर और स्वस्थ मन ही उज्जवल भविष्य की नींव रखते हैं। विद्यालय सदैव ऐसी गतिविधियों को प्राथमिकता देता है जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक हैं हमें विश्वास है कि इस प्रकार के स्वास्थ्य जांच शिविर न केवल विद्यार्थियों के बल्कि अभिभावकों में भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भविष्य में भी विद्यालय के विद्यार्थियों के हित में ऐसी जनकल्याणकारी एवं स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम की सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकों स्टाफ सदस्यों एवं वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज गजरौला की मेडिकल टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।विद्यालय परिसर ने चिकित्सा दल का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को विद्यार्थियों के उज्जवल एवं स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक सराहनीय प्रयास बताया।

यह स्वास्थ्य जांच शिविर विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं जागरूकता बढ़ाने वाला सिद्ध हुआ। खैतान वर्ल्ड स्कूल भविष्य में भी विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक उत्कृष्ट के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य सुरक्षा एवं समग्र विकास के लिए ऐसे सार्थक कार्यक्रम का आयोजन निरंतर करता रहेगा।

पंचायत सचिवों व सहायकों को मिला विशेष प्रशिक्षण, ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन तथा उपनिदेशक (पंचायत), मुरादाबाद मंडल अभय कुमार यादव की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी), सम्भल में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रशिक्षण में विकास खण्ड सम्भल एवं असमोली के ग्राम पंचायत सचिवों और पंचायत सहायकों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं विकासोन्मुख बनाना रहा। इस दौरान प्रतिभागियों को पंचायत विकास योजना (पीडीपी) को गुणवत्तापूर्ण एवं जनसहभागिता आधारित तरीके से तैयार करने, ओन सोर्स रेवेन्यू (ओएसआर) के माध्यम से ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, 'मेरी पंचायत, हरित पंचायत' अभियान तथा पंचायतों के समग्र एवं सतत विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई kप्रशिक्षण में वरिष्ठ फैकल्टी निधि पटेल तथा प्रशिक्षक शिवानी, संजय और बंटी ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी देते हुए ग्राम पंचायतों को स्वच्छ, पर्यावरण अनुकूल एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए पंचायत विकास से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

अधिकारियों ने कहा कि पंचायत विकास योजना का प्रभावी क्रियान्वयन, स्थानीय संसाधनों से आय बढ़ाने के प्रयास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के बेहतर प्रबंधन से ग्राम पंचायतों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने भी सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर अपने अनुभव साझा किए।

प्रकृति संरक्षण दिवस पर केमिस्ट एसोसिएशन का संकल्प, पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के तिरंगा मार्केट में मंगलवार को केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा प्रकृति संरक्षण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की स्वच्छता और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहम्मद शाहनवाज आलम ने कहा कि मेडिकल स्टोरों से निकलने वाली एक्सपायर दवाइयों को नदी-नालों या अन्य जल स्रोतों में नहीं फेंकना चाहिए, क्योंकि इससे पर्यावरण और जल दोनों प्रदूषित होते हैं। उन्होंने पॉलिथीन के उपयोग को प्रकृति के लिए हानिकारक बताते हुए इसके पूर्ण बहिष्कार का आह्वान किया।

केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री अजय कुमार शर्मा ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण ही मानवता की सच्ची सेवा है। वहीं मोहम्मद नसीम ने वृक्षारोपण को पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए सभी लोगों से अपने घर के बड़ों की स्मृति में कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने जल, वायु एवं मृदा प्रदूषण रोकने, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, पॉलिथीन का उपयोग न करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने की शपथ ली। सदस्यों ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और स्वच्छ, हरित भारत के निर्माण का भी संकल्प दोहराया। इस अवसर पर मोहम्मद हसनैन, बॉबी चौधरी, नवनीत, आदित्य शर्मा, गौरव कुमार, रोहित कुमार, गौतम, लोकेश कुमार, विशाल कुमार, नोमान प्रधान सहित बड़ी संख्या में केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केशव देव ने की, जबकि संचालन दुर्वेश सैनी ने किया।

धनौरा के खादर क्षेत्र में बढ़ते गंगा जलस्तर व बारिश के मद्देनजर प्रशासनिक अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर किया गांव का दौरा, सुनीं लोगों की समस्याएं

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के गंगा खादर इलाके में गंगा के लगातार बढ़ रहे जलस्तर और बारिश को मद्देनजर रखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरी तरह से मोर्चा संभाला हुआ है जिसको लेकर मंगलवार को धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे एवं तहसीलदार मूसाराम थारू ने ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर गंगा खादर के संवेदनशील इलाकों का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रशासनिक अधिकारी क्षेत्र में खराब रास्ते होने के कारण एवं उन पर जल भराव होने के कारण अपनी गाड़ियों की बजाय ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर ग्रामीण तक पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। बता दें कि मंगलवार हुए इस दौरे के दौरान अधिकारियों ने दारानगर, पपसरा खादर, शीशोवाली और तिगरी सहित आसपास के कई गांवों का जायजा लिया। उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने बताया कि खादर क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति अभी सामान्य है। मुख्य रास्तों पर पानी नहीं आया है, लेकिन गंगा का जलस्तर बढ़ने से कुछ खेतों में पानी भर गया है।तिगरी क्षेत्र में जलस्तर बढ़ने के कारण नदी किनारे बनी झोपड़ियों को सुरक्षित स्थानों पर हटाने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों के आवागमन की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन ने कदम उठाए हैं।उपजिलाधिकारी ने बताया कि चकनवाला में पहले से ही दो नावें संचालित हैं।

इसके अतिरिक्त, शीशोवाली में ग्रामीणों की सुविधा के लिए दो और नावें लगाई जा रही हैं।अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें हर संभव सरकारी सहायता और सुरक्षा का आश्वासन दिया। उन्होंने अधीनस्थ कर्मचारियों को अलर्ट रहने और क्षेत्र में जलस्तर पर चौबीसों घंटे निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

महिलाओं एवं बलिकाओं को पम्पलेट वितरित कर दी गई जानकारी

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में मंगलवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बहु बेटी सम्मेलन कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही

विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

लघु सिंचाई विभाग में बजट की कमी, सहायक अभियंता ने शासन से की मांग

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में लघु सिंचाई विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के सुचारू संचालन को लेकर चिंता व्याप्त है। विभाग के सहायक अभियंता विपिन कुमार त्यागी ने शासन से बजट जारी करने की मांग की है। विपिन कुमार त्यागी ने बताया कि उनके विभाग के अंतर्गत उथले नलकूप योजना, मध्य गहरे नलकूप योजना, तालाब जीर्णोद्धार, रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर प्रणाली, चेक डैम निर्माण जैसी अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं से कृषकों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के साथ जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में अब तक इन सभी योजनाओं के लिए कोई बजट प्राप्त नहीं हुआ है। वित्तीय वर्ष शुरू हुए चार माह बीत चुके हैं, लेकिन बजट की कमी के कारण योजनाओं का कार्य प्रभावित हो रहा है। सहायक अभियंता विपिन कुमार त्यागी ने शासन से शीघ्र बजट आवंटित करने की अपील की है ताकि लंबित योजनाओं को समय पर पूरा किया जा सके। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बजट मिलने पर सभी योजनाओं को गति दी जाएगी। किसानों की सुविधा के लिए लघु सिंचाई विभाग निरंतर प्रयासरत है, लेकिन पर्याप्त बजट के अभाव में कार्यों में बाधा आ रही है।

तीन माह से फरार चल रहा वांछित अभियुक्त रजपुरा पुलिस के हत्थे चढ़ा

रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- जनपद की थाना रजपुरा पुलिस को वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक और सफलता मिली है। करीब तीन माह पहले दर्ज मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

पुलिस के अनुसार, 3 मई को थाना रजपुरा क्षेत्र के ग्राम देवरा निवासी नरेन्द्र पुत्र दानवीर ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के कुछ लोगों ने उसके भाइयों, मां, ताऊ और तहेरे भाई के साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर उन्हें घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना रजपुरा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। मामला दर्ज होने के बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

इसी क्रम में मंगलवार को थाना रजपुरा पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुकदमे में वांछित अभियुक्त पवन पुत्र खरसारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में वांछित एवं फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी आरोपी को कानून से बचने नहीं दिया जाएगा। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की गई है।

पोषण योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे हर योजना का लाभ:- डीएम

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कन्वर्जेन्स कमेटी (जिला पोषण समिति) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न पोषण एवं मातृ-शिशु कल्याण योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान पोषण ट्रैकर ऐप की प्रगति, गर्भवती महिलाओं के वजन वृद्धि (GWG), टेक होम राशन (THR), हॉट कुक्ड मील, अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही गंभीर कुपोषित (SAM) एवं मध्यम कुपोषित (MAM) बच्चों की स्थिति तथा पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC), चन्दौसी में विकासखण्डवार पंजीकरण एवं उपचार की प्रगति का भी आकलन किया गया। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने निर्देश दिए कि आकांक्षात्मक विकासखण्डों में पोषण संबंधी गतिविधियों की अलग से समीक्षा बैठक आयोजित की जाए, ताकि योजनाओं का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि कुपोषण को समाप्त करने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। बैठक में होम विजिट, एफआरएस (FRS), अधिकारियों द्वारा गोद लिए गए सैम एवं मैम बच्चों के नियमित भ्रमण, निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति, सक्षम योजना तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की भी विस्तार से समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के क्रियान्वयन में जहां भी कमियां या गैप हैं, उन्हें तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पात्र गर्भवती महिलाओं को योजना का लाभ दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और आवेदन से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया को समयबद्ध एवं पारदर्शी बनाया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज बिश्नोई, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) महेश कुमार, सीडीपीओ रचना यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

30 जुलाई को महिला कबड्डी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल, मंडल स्तर के लिए होगा चयन

सम्भल(सब का सपना):- खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं क्षेत्रीय खेल कार्यालय, आगरा के निदेर्शानुसार महिला कबड्डी खिलाड़ियों के चयन के लिए जनपद एवं मंडल स्तर पर चयन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। जिला खेल कार्यालय सम्भल ने इच्छुक महिला खिलाड़ियों से निर्धारित तिथि पर प्रतिभाग करने की अपील की है।

उपक्रीड़ाधिकारी प्रमिला भारती ने बताया कि जनपद स्तरीय चयन ट्रायल 30 जुलाई को दोपहर 12 बजे से एस.के. कबड्डी अकादमी, ग्राम पथरा, चन्दौसी (जनपद सम्भल) में आयोजित होगा। जनपद स्तर पर चयनित खिलाड़ी 2 अगस्त को सुबह 11 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम, मुरादाबाद में आयोजित मंडल स्तरीय चयन ट्रायल में हिस्सा लेंगी।

उन्होंने बताया कि चयन ट्रायल में वही महिला खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगी जिनकी आयु 31 दिसंबर तक 25 वर्ष से कम हो। सभी प्रतिभागियों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद ही खिलाड़ियों को ट्रायल में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। जिला खेल कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह निशुल्क होगी। अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों से इस अवसर का लाभ उठाते हुए चयन ट्रायल में भाग लेने की अपील की गई है।

10 अगस्त को स्योहारा थाने का घेराव करेगी भाकियू, हजारों किसानों से शामिल होने की अपील

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की एक पंचायत ग्राम मलकपुर बुडेरन में आयोजित की गई। पंचायत में किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई तथा संगठन की आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। पंचायत को संबोधित करते हुए भाकियू के तहसील अध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत ने घोषणा की कि संगठन के निर्णय के अनुसार 10 अगस्त को तहसील स्तर के हजारों किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली और पशुओं के साथ स्योहारा थाने का घेराव करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि थाना अध्यक्ष तथा एक उपनिरीक्षक द्वारा किसानों के साथ उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में किसान अपने पशुओं के लिए खेतों से मिट्टी लाते हैं, लेकिन इस दौरान भी पुलिस ट्रैक्टर पकड़कर किसानों को परेशान करती है। साथ ही आरोप लगाया कि थाने में पीड़ित पक्ष के साथ ही कठोर व्यवहार किया जाता है। भाकियू के एक कार्यकर्ता के साथ कथित अभद्र व्यवहार की भी उन्होंने कड़े शब्दों में निंदा की। चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन हमेशा किसानों और मजदूरों के हितों की लड़ाई लड़ती रही है और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने तहसील धामपुर क्षेत्र के किसानों से 10 अगस्त को अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली और पशुओं के साथ स्योहारा थाने के घेराव में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। पंचायत में ब्लॉक अध्यक्ष अवनीश कुमार, विजेंद्र सिंह त्यागी, बंटी कुमार, सुखबीर सिंह, फैयाजुद्दीन, यशपाल सिंह, भूपेंद्र सिंह, रामावतार यादव, योगेश ठाकुर, दिनेश कुमार, मारूफ सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

बार-बार जांच में पात्र, फिर भी नहीं मिला प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

CLTC पर पोर्टल पर फाइलें लंबित करने का आरोप, विधवा और दिव्यांग लाभार्थी परेशान

बिजनौर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ मिलने में कथित रूप से गंभीर लापरवाही सामने आई है। लाभार्थियों का आरोप है कि तहसील और नगर पालिका की ओर से कई बार जांच में पात्र पाए जाने तथा ई-टेक (E-Tech) की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद उन्हें आवास स्वीकृत नहीं हो पा रहा है। आरोप है कि बिजनौर डूडा (DUDA) में कार्यरत सीएलटीसी (CLTC) चंद्रकांत द्वारा जब भी किसी पात्र लाभार्थी की फाइल स्वीकृति की स्थिति में पहुंचती है, उसे दोबारा जांच के लिए पोर्टल पर लंबित (पेंडिंग) कर दिया जाता है। इससे पात्र लाभार्थियों को बार-बार जांच प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है और उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा। लाभार्थियों का कहना है कि इस संबंध में नगर पालिका स्तर से भी उन्हें बताया गया कि फाइलें लंबित होने का कारण सीएलटीसी स्तर पर कार्रवाई बताया जा रहा है। लगातार हो रही देरी से विशेष रूप से विधवा, दिव्यांग और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार सबसे अधिक परेशान हैं।

पीड़ितों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता हुई है तो जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पात्र लाभार्थियों को शीघ्र प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए।

कथित लकड़ी माफिया का वीडियो वायरल, डीएफओ व मंत्री का नाम आने से मचा हड़कंप

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के नूरपुर क्षेत्र से एक कथित लकड़ी माफिया का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कथित तौर पर वन विभाग के जिला वनाधिकारी (डीएफओ) तथा प्रदेश सरकार के मंत्री अशोक कटारिया का भी उल्लेख किया गया है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं और लोग पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर तेजी से साझा किया जा रहा है। हालांकि, वीडियो में किए गए दावों की 'सब का सपना' स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है। समाचार लिखे जाने तक वन विभाग, जिला प्रशासन अथवा संबंधित पक्ष की ओर से इस वायरल वीडियो या उसमें लगाए गए कथित आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वायरल वीडियो में किए गए दावों में कोई सच्चाई है तो पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जानी चाहिए, ताकि वास्तविक तथ्य सामने आ सकें। वहीं, यदि आरोप निराधार पाए जाते हैं तो अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया और स्थानीय जनचर्चा का विषय बना हुआ है।

अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन और वन विभाग पर टिकी हैं कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कर क्या तथ्य सामने लाए जाते हैं और संबंधित अधिकारियों की ओर से इस संबंध में क्या आधिकारिक बयान जारी किया जाता है।

जेबीएफ ने कराई प्रतिभा पुरस्कार परीक्षा, 80 विजेताओं को मिलेंगे टेबलेट

गांव इनायतपुर में 2 से 3 फीट पानी भरने से ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित, लोग घरों में रहने को मजबूर

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में देर रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। तेज बारिश के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की कई सड़कें जलमग्न हो गई हैं। जगह-जगह जलभराव होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव इनायतपुर में हालात सबसे अधिक गंभीर दिखाई दिए, जहां मुख्य सड़क तालाब का रूप ले चुकी है। सड़क पर करीब 2 से 3 फीट तक पानी भर जाने से ग्रामीणों को उसी पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। आवागमन बाधित होने के साथ-साथ दैनिक कार्यों पर भी असर पड़ा है। मौसम विभाग ने पहले ही अगले 24 घंटे तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की थी, जिसका असर अब जनपद में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। लगातार हो रही बारिश के चलते अधिकांश लोग अपने घरों में ही रहने को मजबूर हैं और बाजारों में भी सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम चहल-पहल दिखाई दे रही है।यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो निचले इलाकों में जलभराव की समस्या और गंभीर हो सकती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जलनिकासी की प्रभावी व्यवस्था कराने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत कार्य तेज करने की मांग की है।

दर्दनाक हादसा कच्चे मकान की छत गिरने से मासूम समेत दो की मौत, छह घायल

कैलादेवी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना कैलादेवी क्षेत्र के ग्राम चंदनकटी मौजा में लगातार हो रही बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया। बारिश के कारण सीलन से कमजोर हो चुके कच्चे मकान की छत पर मिट्टी डालकर उसे मजबूत करने का प्रयास कर रहे एक ही परिवार के कई सदस्य अचानक हादसे का शिकार हो गए। अधिक भार पड़ने से छत भरभराकर गिर गई, जिसके मलबे में दबने से चार वर्षीय मासूम दिव्यांशी और उसकी रिश्ते की ताई की मौत हो गई, जबकि पति-पत्नी सहित छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के चलते मकान की छत से पानी टपक रहा था। इसे रोकने के लिए परिवार के सदस्य छत पर मिट्टी डाल रहे थे। इसी दौरान कमजोर छत अचानक ढह गई और सभी लोग मलबे में दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए मलबा हटाकर सभी घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने चार वर्षीय दिव्यांशी को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

घटना की जानकारी मिलते ही असमोली से समाजवादी पार्टी की विधायक पिंकी यादव मौके पर पहुंचीं। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा प्रशासन से हर संभव आर्थिक एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

उधर, सूचना मिलने पर कैलादेवी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों शवों का पंचनामा भरकर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हृदयविदारक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मासूम बच्ची और महिला की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि ग्रामीण भी इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं।

लायंस क्लब के शपथ ग्रहण समारोह में समाज सेवा का लिया संकल्प

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में लायंस क्लब द्वारा रॉयल कैसल में भव्य शपथ ग्रहण एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारियों, नए सदस्यों तथा शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया समारोह के दौरान नव-निर्वाचित पदाधिकारियों एवं नए सदस्यों को विधिवत शपथ दिलाई गई तथा उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने लायंस क्लब की समाज सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंद लोगों की सहायता जैसे जनहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आगामी सामाजिक एवं सामुदायिक विकास कार्यों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आयोजित विचार गोष्ठी में शहर के प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकताओं और लायंस क्लब के सदस्यों ने अपने विचार रखे तथा समाज हित में मिल-जुलकर कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित अतिथियों ने लायंस क्लब की जनसेवा संबंधी गतिविधियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कर्बला में दी गई कुबार्नी ने इंसानियत को नई ज़िंदगी दी-मौलाना सलमान अब्बास

बिजनौर (सब का सपना):- हल्दौर क्षेत्र के गांव छजुपुरा सादात में अशरा-ए-चेहलुम हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) के उनवान से आयोजित दस दिवसीय मजलिसों के दूसरे दिन पहली मजलिस दरगाह-ए-फातेमा तथा दूसरी मजलिस इमामबारगाह में आयोजित हुई। मजलिसों को क्रमशः मौलाना सैय्यद हैदर रजा नजफी एवं मौलाना सलमान अब्बास बाराबंकी ने खिताब किया। मीडिया प्रभारी शाही वास्ती के संचालन में आयोजित मजलिसों में मरसिया-ख़्वानी मोहम्मद रजा, मोहम्मद अब्बास, नायाब हैदर, मोहम्मद आलम एवं सालिम जैदी ने की। पेशख़्वानी मौलाना मैहदी अब्बास जैदी एवं रईस जैदी ने, जबकि नौहाख़्वानी सालिम जैदी एवं अम्मार जैदी ने की। मौलाना सलमान अब्बास ने अपने बयान में कहा कि यदि किसी को अपना बनाना है तो हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की तरह सब्र, सच्चाई और बेहतरीन किरदार अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन (अ.स.) ने हक और बातिल की जंग में हक का साथ देते हुए अपनी तथा अपने अहलेबैत और अंसार की बेमिसाल कुबार्नी देकर दीन-ए-इस्लाम को बचाया। उन्होंने कहा कि कर्बला इज्जत और इंसानियत का रास्ता है। इमाम हुसैन (अ.स.) के दर पर सभी बराबर हैं। यहां हर धर्म और वर्ग के लोग अकीदत के फूल पेश करते हैं, क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि 1400 वर्ष पूर्व कर्बला में दी गई उनकी कुबार्नी ने इंसानियत को नई ज़िंदगी दी और दीन-ए-नबी को हमेशा के लिए ज़िंदा कर दिया।

मजलिस के अंत में मौलाना ने हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की लाडली बेटी जनाबे सकीना (स.अ.) के दर्दनाक मसायब बयान किए, जिन्हें सुनकर अजादार अश्कबार हो गए। उपस्थित अजादारों ने हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की बारगाह में जनाबे सकीना (स.अ.) का पुरसा पेश कर गम-ए-अहलेबैत में शिरकत की।

धामपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में एक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

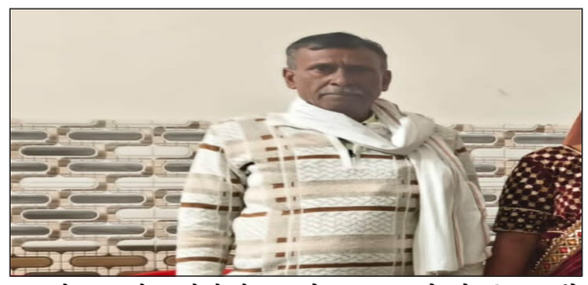

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर-काशीपुर मार्ग पर नेशनल हाईवे-74 स्थित राजपूताना रिसोर्ट के पास सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों बाइकों की टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा मृतक और घायल की पहचान एवं हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

व्यापारी एकता परिषद की बैठक में संगठन का हुआ विस्तार

बिजनौर (सब का सपना):- हल्दौर के बड़े शिव मंदिर धर्मशाला में व्यापारी एकता परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन विस्तार, व्यापारी हितों तथा जीएसटी से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान नगर कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए विपिन वर्मा को नगर अध्यक्ष तथा विनोद वर्मा, निसार अहमद और मनोज वर्मा को नगर संरक्षक मनोनीत किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि जीएसटी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर प्रवीण वर्मा ने जीएसटी संशोधन 2.0 के संबंध में व्यापारियों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने व्यापारियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए जीएसटी के विभिन्न प्रावधानों और संशोधनों की जानकारी साझा की। मुख्य वक्ता एवं व्यापारी एकता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राहुल वर्मा ने कहा कि संगठन का सदस्यता अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। प्रत्येक नगर में संगठन की इकाइयों के गठन का उद्देश्य व्यापारियों को एक मंच पर लाकर उनकी समस्याओं एवं हितों से जुड़े मुद्दों को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। उन्होंने प्रदेश सरकार से व्यापारियों के लिए ड्ड50 लाख के दुर्घटना बीमा, 10 हजार मासिक राष्ट्रीय पेंशन योजना तथा व्यापारियों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण के लिए व्यापारी सुरक्षा आयोग के गठन की मांग की। प्रदेश उपाध्यक्ष शमशाद अंसारी ने कहा कि व्यापारी एकता परिषद बिना किसी जाति या धर्म के भेदभाव के सभी व्यापारियों को समान सम्मान देने वाला संगठन है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर प्रदेश समिति हल्दौर इकाई के साथ हर स्तर पर सहयोग करेगी। बैठक में संगठन की नगर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नरेंद्र दिवाकर को नगर उपाध्यक्ष, मोहम्मद फैसल को नगर महामंत्री, उस्मान को नगर मंत्री, सतीश वर्मा को नगर संगठन मंत्री तथा धीरज सैनी, रोहित सैनी और सुरेंद्र सिंह को नगर प्रवक्ता मनोनीत किया गया। इसके अलावा अजय वर्मा, विजेंद्र वर्मा, रोहित कुमार सहित अन्य व्यापारियों को भी संगठन की विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में बड़ी संख्या में नगर के व्यापारी उपस्थित रहे और संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

शिक्षक संघ ने की नवागंतुक खंड शिक्षा अधिकारी से भेंट

बिजनौर (सब का सपना):- नवागंतुक खंड शिक्षा अधिकारी, हल्दौर सूर्यकांत गिरी से उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष विकास कुमार ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं एवं शैक्षिक व्यवस्थाओं से जुड़े मुद्दों पर खंड शिक्षा अधिकारी से विस्तारपूर्वक चर्चा की। खंड शिक्षा अधिकारी सूर्यकांत गिरी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता एवं धैर्यपूर्वक सुना तथा शिक्षकों की सभी समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया। ब्लॉक अध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। संघ की ब्लॉक इकाई उनके नेतृत्व में शिक्षकों की प्रत्येक समस्या के समाधान के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षक को यदि किसी प्रकार की समस्या हो तो वह किसी भी समय उनसे संपर्क कर सकता है। शिक्षक हितों की रक्षा के लिए संघ हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ खड़ा रहेगा। प्रतिनिधिमंडल में ब्लॉक मंत्री मौहम्मद अहमद, अशोक कुमार, संदीप कुमार, सुशील कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर चौकी प्रांगण में शांति बैठक आयोजित

चौकी प्रभारी नीटू मलिक ने संभ्रांत लोगों के साथ की मीटिंग, सुरक्षा के रहेंगे कड़े इंतजाम

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से चौकी प्रभारी बुगरासी नीटू मलिक ने क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों के साथ चौकी प्रांगण में बैठक का आयोजन किया। बैठक में चौकी प्रभारी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे निर्धारित ऊंचाई से अधिक ऊंचा नहीं होना चाहिए। शिविरों में सीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। पुलिस हर पॉइंट पर तैनात रहेगी। कोई भी शरारती तत्व दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें, 10 मिनट में पुलिस मौके पर पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि खाने-पीने की चीजों को ध्यानपूर्वक ढककर रखा जाए ताकि खाना खराब न हो। कांवड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। किसी भी कांवड़िये को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। 12 अगस्त को शिवरात्रि है, यात्रा को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल भी लगाया जाएगा। रात-दिन पुलिस गश्त करती रहेगी। इस दौरान बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत लोगों ने प्रशासन को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो दोस्तों को मारी टक्कर, हुई मौत

शिकारपुर/बुलन्दशहर(सब का सपना):- जनपद के डिबाई हाईवे पर अहमदगढ़ के पास अज्ञात वाहन ने होटल से खाना खाकर घर लौट रहे बाइक सवार दो दोस्तों को रौंद दिया, जिसमें दोनों दोस्तों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की रात गांव पापड़ी निवासी बंटी (22 वर्ष) पुत्र धर्मवीर और अहमदगढ़ निवासी करण (25 वर्ष) पुत्र दयाराम अहमदगढ़ में पेट्रोल पंप के पास स्थित होटल से खाना खाकर घर लौट रहे थे तभी रास्ते में सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने दोनों युवकों को टक्कर मार दी, हादसे में बंटी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल हुए करण की जिला अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

निःशुल्क स्वास्थ्य एवं दंत परीक्षण शिविर में 110 लोगों ने लिया शिविर का लाभ

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के गांधी रोड स्थित डॉ. रामकृष्ण कंसल क्लीनिक पर डॉ. रामकृष्ण कंसल स्मृति शेष के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 48 लोगों का ब्लड शुगर व ब्लड प्रेशर परीक्षण कर स्वास्थ्य परामर्श दिया गया, जबकि 62 लोगों को दांत एवं मुख रोगों से संबंधित जांच और परामर्श प्रदान किया गया। डॉ. शोभित कंसल ने मौसमी वायरल बुखार से बचाव के उपाय बताते हुए तुलसी-अदरक का काढ़ा सेवन करने की सलाह दी। वहीं दंत चिकित्सक डॉ. रूचि कंसल ने तंबाकू, बीड़ी, गुटखा व सिगरेट के सेवन से होने वाले मुख एवं दांतों के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। शिविर में जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया।

आज जिला सेवायोजन कार्यालय में लगेगा रोजगार मेला

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला सेवायोजन कार्यालय (मॉडल करियर सेंटर) द्वारा आज बुधवार को प्रातः 11:00 बजे जिला सेवायोजन कार्यालय, विकास भवन के निकट, बुलन्दशहर में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में निजी क्षेत्र की चार कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। हाईस्कूल, इंटरमीडिएट एवं आईटीआई उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थी साक्षात्कार के माध्यम से चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। अभ्यर्थियों को बायोडाटा साथ लाना होगा तथा सेवायोजन विभाग के पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in और ncs.gov.in पर पूर्व ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य रहेगा। जिला सेवायोजन अधिकारी आर.पी. सिंह ने अधिक से अधिक युवाओं से रोजगार मेले में भाग लेने की अपील की।

रोडवेज बस की टक्कर से थ्री-व्हीलर पलटा, चालक घायल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना धामपुर में नगर के पुराना धामपुर चुंगी क्षेत्र में सोमवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में रोडवेज बस और थ्री-व्हीलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में थ्री-व्हीलर पलट गया और चालक घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायल चालक को वाहन से बाहर निकाला और एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। चिकित्सकों ने घायल का उपचार शुरू कर दिया। दुर्घटना के कारण कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। बाद में पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर आवागमन सामान्य कराया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

दिल्ली में कांवड़ शिविरों के पास अवैध मीट दुकानें होंगी बंद, अतिक्रमण पर चलेगा एमसीडी का चाबुक

नई दिल्ली। राजधानी में कांवड़ यात्रा को लेकर नगर निगम (एमसीडी) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कांवड़ शिविरों की सुरक्षा और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी जोन के उपायुक्तों को निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश के तहत शिविर स्थलों से अतिक्रमण हटाने, तीन शिफ्टों में सफाई कराने, फागिंग कराने और शिविरों के आसपास अवैध व बिना लाइसेंस वाली मीट दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। एमसीडी के अतिरिक्त आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 25 जुलाई को दिल्ली सरकार के कानून एवं न्याय, श्रम, रोजगार और विकास सुधार मंत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई थी। 30 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेंगे शिविर बैठक में एमसीडी, राजस्व विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, डूसिब और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसमें तय किया गया कि इस वर्ष 308 पुराने स्थलों के साथ आवश्यकता के अनुसार नए स्थानों पर भी कांवड़ शिविर लगाए जाएंगे। ये शिविर 30 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त, महाशिवरात्रि तक संचालित रहेंगे। तीन शिफ्टों में तैनात होंगे सफाई कर्मचारी एमसीडी ने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले सभी शिविर स्थलों से अतिक्रमण पूरी तरह हटाया जाए। शिविरों और आसपास के क्षेत्रों में गहन सफाई, झाड़ियों की कटाई तथा नियमित कूड़ा उठाने की व्यवस्था की जाए। इसके लिए तीन शिफ्टों में सफाई कर्मचारियों और मशीनों की तैनाती होगी ताकि पूरे समय स्वच्छता बनी रहे। आदेश में जलजनित और मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान नियमित फॉगिंग कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। बड़े कांवड़ शिविरों में पूर्व वर्षों की तरह मोबाइल डिस्पेंसरी तैनात की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल सके। एमसीडी ने स्पष्ट किया है कि कांवड़ मार्ग और शिविरों के आसपास संचालित सभी अवैध या बिना लाइसेंस वाली मीट दुकानों को बंद कराया जाएगा। लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने वाली दुकानों पर भी कार्रवाई होगी। सभी जोनल उपायुक्तों को संबंधित जिला मजिस्ट्रेटों के साथ समन्वय बनाकर इन निदेशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिला मजिस्ट्रेटों को कांवड़ शिविरों के लिए एनओसी जारी करने और व्यवस्थाओं की निगरानी का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

दलित महिला से अभद्रता व अवैध वसूली के खिलाफ अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- भाकियू भानु के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में दर्जनों किसानों ने स्याना तहसील प्रांगण में जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने तहसील में तैनात एक लेखपाल पर गम्भीर आरोप लगाते हुए नारे बाजी करते हुए अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोप है कि लेखपाल ने रूखी गांव में एक दलित महिला के साथ अभद्रता की,इसके अलावा दर्जनों किसानों की भूमि पर अवैध कब्जा कराने व आये दिन अवैध वसूली का भी आरोप है। उन्होंने यह भी कहा है कि लेखपाल लापरवाह है किसी का भी फोन नही उठाता है। भाकियू भानु के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा है कि यह लेखपाल भ्रष्टाचार में लिप्त है, महिलाओं की इज्जत से खिलवाड़ करता है। गरीब किसानों की जमीनों पर अवैध कब्जे करवाता है। जब तक इस लेखपाल का तबादला नही हो जाता है अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। किसानों ने तहसील प्रशासन के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की। किसानों ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग भी की है।

लेखपाल के खिलाफ विभागीय कार्रवाई कराने, पीड़ित महिला को न्याय दिलाने की मांग भी की है। चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनकी मांगें शीघ्र नहीं मानी जाती है तो आन्दोलन और तेज होंगा, जिला मुख्यालय पर भी धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

व्यापारी पर हमले के मामले में दो दिन में कार्रवाई की मांग, व्यापार मंडल ने दी आंदोलन की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, विधानसभा बिजनौर की जिला कार्यकारिणी की एक आकस्मिक बैठक में धामपुर के व्यापारी पर हुए हमले के मामले में पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई गई। बैठक में आरोप लगाया गया कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की है। प्रेस नोट के अनुसार, 26 जुलाई को धामपुर स्थित जगदीश विजन बुटीक के निकट व्यापारी अभिषेक मित्तल के साथ हुई घटना को लेकर संगठन ने चर्चा की। बताया गया कि पीड़ित की ओर से थाना धामपुर में प्रार्थना पत्र दिए जाने के बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। व्यापार मंडल ने आरोप लगाया कि मामले में पुलिस पर दबाव होने की चर्चा भी सामने आ रही है, जो कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि दो दिन के भीतर थाना धामपुर पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई तथा संबंधित व्यापारी को सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई, तो संगठन उच्च अधिकारियों से शिकायत करेगा और आवश्यकता पड़ने पर प्रदेश पदाधिकारियों को भी अवगत कराते हुए आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक में जिला अध्यक्ष अनंग कर्णवाल सहित जिला महामंत्री सौरभ अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष विनीत रस्तोगी, मंत्री रचित गोयल, तरुण कुमार, जिला कोषाध्यक्ष आयुष अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डिबाई के लाल का ईसरो में चयन, डिबाई विधायक ने दी शुभकामनाये

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- डिबाई क्षेत्र के गांव ईशनपुर के डा० राम सिंह के भारत सरकार में ग्रुप 'अ' राजपत्रित अधिकारी (Scientist/Assistant Professor) के रूप में चयन होने पर गांव ईशनपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डिबाई विधायक सीपी सिंह लोधी ने डा० राम सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी, डॉ० राम सिंह ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम एवं समर्पण के बल पर Indian Institute of Geomagnetism, मुंबई से पीएच.डी.,क्रफ्ड में पोस्ट डॉक्टोरल शोध,दक्षिण कोरिया में रिसर्च साइंटिस्ट तथा Peru/Cornell University (USA) में शोधकर्ता के रूप में अपनी सेवाएँ देकर देश और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। वर्तमान में उनकी नियुक्ति तिरुनेलवेली (तमिलनाडु) में भारत सरकार के वैज्ञानिक के रूप में हुई है। ऐसी प्रेरणादायी उपलब्धियाँ युवा पीढ़ी के लिए अनुकरणीय हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप विज्ञान एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए देश और समाज का नाम और अधिक गौरवान्वित करें। इस अवसर पर डिबाई ब्लॉक प्रमुख पति अनार सिंह,मंडल महामंत्री होशियारी सिंह,मंडल महामंत्री रज्जन लोधी,मंगल सिंह, प्रेम सिंह ,महिपाल सिंह,छात्रपाल सिंह,राहुल लोधी,के. पी. सिंह ,सुरेंद्र प्रधान,प्यारेलाल वर्मा,राजवीर सिंह (प्रधान)नत्थू सिंह रूपेन्द्र कुमार लोधी,के अलावा सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बिजनौर में कथित अवैध कॉलोनी प्रकरण मामले में तहसीलदार की जांच रिपोर्ट पर उठे सवाल, मानवाधिकार आयोग पहुंचा मामला

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के तहसील नजीबाबाद अंतर्गत ग्राम औरंगपुर बसंता स्थित गाटा संख्या-182 पर कथित अवैध कॉलोनी निर्माण का मामला अब उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग तक पहुंच गया है। शिकायतकर्ता मो. मोहिउद्दीन ने आरोप लगाया है कि उनकी शिकायत पर तहसीलदार, नजीबाबाद द्वारा प्रस्तुत जांच आख्या अपूर्ण, पक्षपातपूर्ण तथा तथ्यों के अनुरूप नहीं है। शिकायतकर्ता के अनुसार मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल (IGRS) पर दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया था कि संबंधित भूमि पर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति, बिना स्वीकृत मानचित्र तथा आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी किए आवासीय कॉलोनी विकसित की जा रही है। उनका कहना है कि जांच रिपोर्ट में इन आरोपों के सभी पहलुओं की विस्तार से जांच नहीं की गई। शिकायतकर्ता का यह भी कहना है कि जांच आख्या में गाटा संख्या-182 पर कॉलोनी विकसित होने का उल्लेख है, जबकि भूमि के एक हिस्से से संबंधित वैधानिक प्रक्रिया के बारे में अलग स्थिति दर्ज की गई है। इसी आधार पर उन्होंने जांच की निष्पक्षता पर प्रश्न उठाते हुए स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। इस संबंध में शिकायतकर्ता ने उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग में भी शिकायत प्रस्तुत की है, जिसे आयोग ने डायरी संख्या 5978/IN/2026 के तहत दर्ज कर लिया है। आयोग के समक्ष प्रस्तुत शिकायत में निष्पक्ष जांच, संबंधित अभिलेखों की समीक्षा तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा है कि संबंधित भूमि के मामले में पूर्व से एक आपराधिक प्रकरण भी दर्ज है और उसका परीक्षण भी समग्र जांच का हिस्सा होना चाहिए। फिलहाल इस प्रकरण में मानवाधिकार आयोग द्वारा आगे की कार्यवाही की प्रतीक्षा है। संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से आयोग के समक्ष प्रस्तुत होने वाली रिपोर्ट और अभिलेखों के आधार पर आगामी निर्णय लिया जाएगा।

सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- दिल्ली की महिलाओं को हर माह मिलेंगे 2500, अगस्त से रजिस्ट्रेशन; रक्षा बंधन से भुगतान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक के बाद एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं के लिए 2,500 रुपये प्रतिमाह वित्तीय सहायता योजना को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'आज की कैबिनेट बैठक में हमने दिल्ली की पात्र महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक सहायता योजना को मंजूरी दे दी है। 1 अगस्त से रजिस्ट्रेशन पोर्टल शुरू हो जाएगा। पात्र महिलाएं आवेदन कर सकेंगी। आवेदनों की जांच और मंजूरी के बाद हम उम्मीद करते हैं कि रक्षाबंधन के आसपास पहली किश्त पहली लाभार्थी महिलाओं को वितरित कर दी जाएगी।' उन्होंने कहा, 'सरकार बनने के महज डेढ़ साल के अंदर हमने महिलाओं से किया यह वादा पूरा कर दिया है। यह दिल्ली की महिलाओं के लिए बहुत खुशी का विषय है। मैं दिल्ली की महिलाओं को बधाई देती हूं और आश्वासन देती हूं कि यह सरकार उनकी भलाई के लिए निरंतर काम करती रहेगी।' यह योजना दिल्ली की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गंगा तटीय क्षेत्रों का प्रशासन लगातार कर रहा है निरीक्षण, वर्तमान में स्थिति सामान्य

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के निर्देश पर गंगा तटीय क्षेत्रों में जलस्तर की निरंतर निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में उपजिलाधिकारी धनौरा शैलेश कुमार दुबे ने तिगरी, पपसरा खादर, दरानगर एवं सिसौवाली सहित गंगा तटीय गांवों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा ग्रामीणों से संवाद कर वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान सिसौवाली गांव में ग्रामीणों के अधिक आवागमन को देखते हुए दो अतिरिक्त नावों की व्यवस्था कराई गई। वहीं चकनवाला क्षेत्र में पूर्व से ही दो नावें संचालित हैं, जिससे लोगों के आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। निरीक्षण में पाया गया कि वर्तमान समय में गांवों की ओर जाने वाले मार्गों पर कहीं भी पानी नहीं पहुंचा है। केवल गंगा नदी की ओर स्थित खादर क्षेत्र के उन खेतों में पानी आया है, जहां प्रतिवर्ष सामान्य रूप से जलभराव की स्थिति बनती है। तिगरी क्षेत्र में गंगा के जलस्तर में हल्की वृद्धि दर्ज होने पर एहतियात के तौर पर नदी किनारे अस्थायी झोपड़ियां हटाने के निर्देश संबंधित लोगों को दिए गए हैं, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से पूर्व ही सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।उपजिलाधिकारी ने ग्रामीणों को अवगत कराया कि वर्तमान में क्षेत्र की स्थिति पूरी तरह सामान्य है तथा प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ लगातार निगरानी कर रहा है। पशुओं के चारे की उपलब्धता एवं आवश्यक आवागमन के लिए नावों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं

कि गंगा तटीय क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखें तथा किसी भी परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आरएचएफएल आरसीएफएल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अमिताभ झुनझुनवाला की जमानत अर्जी पर ईडी को नोटिस

नई दिल्ली। रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़े बैंक धोखाधड़ी एवं मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार आरोपित अमिताभ झुनझुनवाला ने कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की है। राउज एवेन्यू स्थित विशेष सीबीआइ न्यायाधीश हसन अंजर की अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई तीन अगस्त को होगी। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। वहीं आरोपित अमिताभ झुनझुनवाला की ओर से अधिवक्ता सौजन्या शंकरन और अनमोल सचान ने पक्ष रखा। झुनझुनवाला विभिन्न चिकित्सीय समस्याओं से जूझ रहे अदालत को बताया गया कि ईडी इस मामले में पहले ही अमिताभ झुनझुनवाला समेत 54 अन्य आरोपितों के खिलाफ अभियोजन शिकायत (आरोपित) दाखिल कर चुकी है, जिस पर फिलहाल संज्ञान लेने की प्रक्रिया चल रही है। बचाव पक्ष ने यह भी दलील दी कि झुनझुनवाला विभिन्न चिकित्सीय समस्याओं से जूझ रहे हैं। दाखिल आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर भी दलीलें सुनीं सोमवार को अदालत ने इस मामले में ईडी की ओर से दाखिल आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर भी दलीलें सुनीं। प्रवर्तन निदेशालय ने 12 जून को रिलायंस (एडीएजी) समूह की कंपनियों के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों अमिताभ झुनझुनवाला और अमित बपना सहित 53 अन्य व्यक्तियों और विभिन्न कॉरपोरेट संस्थाओं के खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल की थी। ईडी ने दोनों अधिकारियों को अप्रैल 2026 में आरएचएफएल और आरसीएफएल से जुड़े बैंक ऋण धोखाधड़ी और उससे संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। फिलहाल अदालत में आरोपपत्र पर संज्ञान और आरोपित की जमानत याचिका दोनों पर सुनवाई जारी है।

सीजेपी प्रोटेस्ट के बाद अब रिटायर्ड पुलिसकर्मी सड़क पर उतरेंगे, 31 जुलाई को जंतर-मंतर पर करेंगे प्रदर्शन

नई दिल्ली। सेवानिवृत्त दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने 20 जुलाई को सीजेपी के संसद मार्च के दौरान पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों का विरोध करने के लिए 31 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने का फैसला किया है। दिल्ली पुलिस फेडरेशन ने दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार को पत्र लिखकर 31 जुलाई को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक एक दिन का धरना आयोजित करने की अनुमति मांगी है। फेडरेशन ने कहा कि जंतर-मंतर पर ड्यूटी के दौरान 100 से अधिक पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवान घायल हुए थे। 20 जुलाई को सीजेएपी के संसद मार्च के दौरान हिंसक झड़पें हुई थीं। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे थे। पुलिस का आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने प्रदर्शनकारियों में घुसकर पुलिस पर हमला किया, जबकि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर अत्याचार का आरोप लगाया है। पुलिसकर्मियों के योगदान को रेखांकित किया जाएगा दिल्ली पुलिस फेडरेशन ने अपने आवेदन में कहा है कि यह धरना सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों और कानून का पालन करने वाले नागरिकों की ओर से आयोजित किया जा रहा है, जो पूरी तरह शांतिपूर्ण और अहिंसक तरीके से चलेगा। इसमें पुलिस बल द्वारा कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए दिए गए बलिदानों को रेखांकित किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 20 जुलाई की पुलिस कार्रवाई से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सख्त टिप्पणियां कीं। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि पुलिस को आंदोलनों के दौरान नया प्रोटोकॉल अपनाना चाहिए। अदालत ने कहा कि जो भी अत्याचार करेगा या कानून हाथ में लेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और जिम्मेदारी तय किए बिना जांच बेकार है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले के आरोपितों की बढ़ाई गई सुरक्षा, विशेष दस्ते से पेशी का आदेश

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर अगस्त 2025 में हुए हमले के मामले में कोर्ट ने आरोपित राजेशभाई खीमजीभाई सकारिया और तहसीन रजा शेख की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें विशेष सशस्त्र दस्ते के जरिए अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। तीस हजारी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश निशांत गर्ग ने जेल प्रशासन की रिपोर्ट, अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलों पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। आरोपितों की ओर से अधिवक्ता सिद्धांत मलिक और हैरी चिब्बर ने अदालत को बताया कि जेल से अदालत लाते-ले जाते समय अन्य बंदियों ने उनके मुवक्किलों के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी वजह से उन्होंने जेल वैन में अलग सेल और सुरक्षित परिवहन की मांग की थी। घटना की जानकारी सीधे अदालत को देने की अनुमति दी अदालत ने जेल परिसर के भीतर सुरक्षा संबंधी रिपोर्ट पर भी विचार किया और आरोपितों को भविष्य में सुरक्षा से जुड़ी किसी भी घटना की जानकारी सीधे अदालत को देने की अनुमति दी। सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन पक्ष के गवाह धीरेंद्र कुमार का बयान भी दर्ज किया। धीरेंद्र कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बचाने के प्रयास में उनकी आंख में चोट लगी थी। अधिवक्ता कार्तिक गाड़ी ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई इसके अलावा अदालत ने तहसीन रजा शेख की व्यक्तिगत तलाशी के दौरान बरामद 4,160 रुपये और आधार कार्ड वापस जारी करने की अनुमति भी दे दी। विशेष लोक अभियोजक प्रदीप राणा की ओर से पेश अधिवक्ता कार्तिक गाड़ी ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। उल्लेखनीय है कि इससे पहले नौ मई 2026 को भी दोनों आरोपितों ने जेल में अपनी जान को खतरा, अन्य कैदियों द्वारा मारपीट और परिवार को मिल रही धमकियों का मुद्दा अदालत के सामने उठाया था। दोनों ने अलग बैरक और सुरक्षा के विशेष इंतजाम की मांग की थी। उस समय अदालत ने जेल प्रशासन को आरोपितों और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

बालों के लिए प्याज से ज्यादा उसका तेल है फायदेमंद

किचन की जरूरतों के अलावा, प्याज के कई अन्य फायदे हैं। बालों का गिरना, रूसी, गंजापन, बालों का सफेद होना- ये सभी कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनसे लगभग हर दूसरा व्यक्ति परेशान है। जिसके कारण बालों का झड़ना, डैंड्रफ या गंजा होना जैसी कई समस्याएं होती हैं। सभी महिलाओं को मजबूत बाल और रूसी से मुक्त स्कैल्प नहीं मिलता है, लेकिन चिंता न करें। यहां इन समस्याओं के लिए एक उपाय है। ऐसी बालों से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप प्याज के तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

क्यों फायदेमंद है प्याज का तेल

प्याज का तेल औषधीय गुणों से युक्त है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी, विटामिन बी6, फोलेट, पोटेशियम, एंथोसायनिन, थियोसल्फीनेट और सल्फर कंपाउंड पाए जाते हैं, जो बालों और स्कैल्प को पोषण प्रदान करते हैं। प्याज का तेल बालों को बढ़ाने और बालों के झड़ने को रोकने के लिए एक सिद्ध उपाय है। स्वस्थ और घने बाल सुनिश्चित करने के लिए यह व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला आयुर्वेदिक समाधान है। इस हेयर ऑयल को नियमित रूप से लगाने के लिए आपको बस एक निरंतर समर्पण की आवश्यकता है। इसके अलावा, इस जादुई तेल का उपयोग करने के साथ-साथ एक स्वच्छ पोषक तत्वों से भरे आहार का सेवन करना न भूलें।

बालों के लिए प्याज के तेल के फायदे

- प्याज के रस के उपयोग से बालों के ग्रोथ साइकल के काफी अनुकूलन है। प्याज के तेल में पर्याप्त एंटीऑक्सीडेंट की उपस्थिति कुछ एंजाइमों के प्रभाव को बढ़ाती है जो बालों के झड़ने को रोकने में काम करते हैं।
- प्याज़ का तेल बालों को दोबारा बढ़ने में मदद करने के लिए अद्भुत काम कर सकता है। नियमित रूप से इस तेल का उपयोग प्रभावी रूप से बालों के झड़ने को रोकने और गंजापन का इलाज करेगा।
- प्याज के तेल में सल्फर की प्रचुर मात्रा शामिल होती है, जिससे बालों का टूटना, झड़ना समाप्त होता है। प्याज के तेल में मौजूद अन्य पोषक तत्वों से भी बालों के ऑक्सीकरण को रोका जा सकता है। सल्फर की उपस्थिति भी आपको बालों के नियमित पीएच को बनाए रखने में मदद कर सकती है, जिससे बालों को जल्दी झड़ने से रोका जा सके।
- इस तेल को अपने बालों में मालिश करने से रक्त परिसंचरण में सुधार करने में मदद मिलती है, और यह पोषित त्वचा के साथ घने और मजबूत बालों का विकास भी सुनिश्चित करता है।
- अपनी खोपड़ी में प्याज के तेल का नियमित उपयोग किसी भी जीवाणु संक्रमण या रूसी को रोक सकता है। प्याज का तेल यह भी सुनिश्चित करेगा कि आपके चमकदार और मजबूत बाल हैं।
- प्याज के तेल के लाभ को बढ़ाने के लिए किसी अन्य लाभकारी तेल के साथ जोड़ा जा सकता है। बेहतर लाभ के लिए जैतून या नारियल के तेल के साथ प्याज का तेल मिलाना बहुत स्वस्थ और अच्छा विकल्प है।
- यह जादुई तेल आपके शैम्पू से पहले, कंडीशनर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह एक प्राकृतिक कंडीशनर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जो रूखेपन से बचने का अच्छा विकल्प है।

झड़ते बालों से हैं परेशान तो रोजाना करें ये 3 योगासन

गलत खान-पान और मौसम में आने वाले बदलाव की वजह से आजकल कम उम्र में ही युवाओं के बाल झड़ने लगते हैं। ऐसे में बालों को झड़ने से रोकने का दावा करने वाले बाजार में मिलने वाले महंगे कैमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स न सिर्फ बालों को रूखा बेजान बनाते हैं बल्कि इनका इस्तेमाल करने से बाल ज्यादा झड़ने लगते हैं। ऐसे में आपकी परेशानी को दूर करते हुए आपको बताएंगे वो 3 योगासन जिनका रोजाना अभ्यास करने पर आपके बाल काले घने और खूबसूरत हो जाएंगे। आइए जानते हैं आखिर कौन से हैं वो 3 जादुई आसान।

1- अधोमुखश्वानासन-यह आसन शरीर के कसाव को कम करता है और मांसपेशियों को लचीला बनाता है।

ऐसे करें ये आसन-

सबसे पहले जमीन पर एकदम सीधे खड़े होकर दोनों हाथों को आगे करते हुए नीचे जमीन की ओर झुका लें। ध्यान रखें झुकते समय आपके घुटने सीधे कूल्हों के ठीक नीचे होने चाहिए जबकि आपके दोनों हाथ कंधे के बराबर नहीं बल्कि इससे थोड़ा सा पहले झुका होना चाहिए।अपने हाथों की हथेलियों को झुकी हुई अवस्था में ही आगे की ओर फैलाएं और उंगलियां समानांतर रखें।

श्वास छोड़ें और अपने घुटनों को अधोमुख श्वानासन मुद्रा के लिए हल्का सा धनुष के आकार में मोड़े और एड़ियों को जमीन से ऊपर उठाएं। इस प्वाइंट पर अपने कूल्हों को पेल्विस से पर्याप्त खींचें और हल्का सा प्यूबिस की ओर दबाएं। हाथों को पूरी तरह जमीन पर कंधों के नीचे से आगे की ओर फैलाए रखें, लेकिन उंगलियां जमीन पर फैली होनी चाहिए।

इसके बाद अपने घुटनों को जमीन पर थोड़ा और झुकाएं

और कूल्हों को जितना संभव हो ऊपर उठाएं।

सिर हल्का सा जमीन की ओर झुका होना चाहिए और पीठ के लाइन में ही होनी चाहिए। अब आप पूरी तरह अधोमुख श्वानासन मुद्रा में हैं।

2- पादांगुष्ठासन-

यह मुद्रा सिर से पैर तक रीढ़ और सभी मांसपेशियों को फैलाकर रक्तचाप को नियंत्रण में रखती है। इस आसन का अभ्यास करने से मस्तिष्क में रक्त परिसंचरण बढ़ता है और जांघ की मांसपेशियों, हैमस्ट्रिंग, पिंडलियों की मांसपेशियों और पीठ के निचले हिस्से और दोनों भुजाओं में खिंचाव होता है।

ऐसे करें ये आसन-

पादांगुष्ठासन योग को करने के लिए आप सबसे पहले एक योगा मैट को फर्श पर बिछाकर उस पर सीधे ख? हो जाएं। इस आसन को करने के लिए आप ता?सन की मुद्रा में भी ख? हो सकते हैं। अपने दोनों हाथों और री? की हड्डी को सीधा रखें और अपने दोनों पैरों के बीच कम से कम 6 इंच की दूरी रखें।

अब सांस को छोड़ते हुए अपने धड़ यानी शरीर के ऊपरी हिस्से को सीधा रखें हुए कूल्हों के जोड़ से नीचे की ओर झुकें। ध्यान रखें की आपको कमर से नहीं झुकना हैं और ऊपरी हिस्से को पूरी तरह से सीधा रखना हैं। अपने माथे को पैरों से लगाने के प्रयास करें और दोनों हाथों से पैर के अंगूठे को पकड़ लें, जिसमे आपकी पकड़ मजबूत होनी चाहिए।

3-पश्चिमोत्तानासन

इस योगासन से स्त्रियों के योनिदोश, मासिक धर्म सम्बन्धी विकार तथा प्रदर आदि रोग दूर होते हैं। यह आसन गर्भाशय से सम्बन्धी शरीर के स्नायुजाल को ठीक करता है।

पश्चिमोत्तानासन करने का तरीका-

- जमीन पर दोनों पैरों को एकदम सीधे फैलाकर बैठ जाएं। दोनों पैरों के बीच में दूरी न हो और जितना संभव हो पैरों को सीधे रखें। इसके साथ ही गर्दन, सिर और रीढ़ की हड्डी को भी सीधा रखें।
- इसके बाद अपनी दोनों हथेलियों को दोनों घुटनों पर रखें।
- अब अपने सिर को धीरे से आगे की ओर झुकाएं और अपने घुटनों को बिना मोड़े हाथों की उंगलियों से पैरों की उंगलियों को छूने की कोशिश करें।
- इसके बाद गहरी श्वास लें और धीरे से श्वास को छोड़ें। अपने सिर और माथे को दोनों घुटनों से छूने की कोशिश करें।
- बांहों को झुकाएं और कोहनी से जमीन को छूने की कोशिश करें।
- श्वास को पूरी तरह छोड़ दें और इसी मुद्रा में कुछ देर तक बने रहें।
- कुछ सेकेंड के बाद वापस पहली वाली मुद्रा में आ जाएं।
- अब सामान्य रूप से श्वास लें और इस आसन को 3 से 4 बार दोहराएं।

सेहत

बालों को रेगुलर डाई करने से ब्रेस्ट कैंसर का बढ़ता है खतरा

बालों पर हेयर डाई और केमिकल्स के इस्तेमाल से कई नुकसान हैं पर हाल ही में आए शोध ने इसे ब्रेस्ट कैंसर से जोड़ा है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जो महिलाएं स्थाई हेयर डाई और रासायनिक हेयर स्ट्रेटनर का उपयोग करती हैं, उनमें अन्य महिलाओं की तुलना में स्तन कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक होता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैंसर में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चलता है कि इन रासायनिक बाल उत्पादों के अधिक लगातार उपयोग से स्तन कैंसर का खतरा बढ़ गया है।

अमेरिका में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एन्वायर्नमेंटल हेल्थ साइंसेज (NIEHS) के लेखक एलेक्जेंड्रा व्हाइट के द्वारा किए गए इस शोध में बताया गया है कि लंबे समय से हेयर डाई और कैंसर के बीच संबंध पाए गए हैं। लेकिन परिणाम असंगत रहे हैं। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में बताया है कि बालों में डाई के उपयोग से स्तन कैंसर से जुड़ा खतरा बढ़ सकता है। इसका प्रभाव अफ्रीकी अमेरिकी महिलाओं, खासकर उन लोगों में अधिक मजबूत होता है, जो इसे रेगुलर यूज करते हैं।

सिस्टर स्टडी में 46,709 महिलाओं के डेटा का उपयोग करते हुए, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एन्वायर्नमेंटल हेल्थ साइंसेज के शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन महिलाओं ने अध्ययन में भाग लिया, उनमें पहले साल में नियमित रूप से स्थाई हेयर डाई का इस्तेमाल किया गया। उनमें उन महिलाओं की तुलना में ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना नौ प्रतिशत अधिक थी, जिन्होंने हेयर डाई को रेगुलर इस्तेमाल नहीं किया। अफ्रीकी अमेरिकी महिलाओं में, हर पांच से आठ सप्ताह या उससे अधिक समय से स्थाई रूप से डाई का इस्तेमाल कर रही थीं और उनमें कैंसर होने की संभावना ज्यादा थी। इसके अलावा एक पेचीदा खोज रासायनिक बाल स्ट्रेटनर और स्तन कैंसर के उपयोग के बीच पाया गया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन महिलाओं ने हर पांच से आठ सप्ताह में हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल किया, उनमें स्तन कैंसर होने की संभावना लगभग 30 प्रतिशत अधिक थी। अध्ययन में कहा गया है कि स्ट्रेटनर के उपयोग और स्तन कैंसर के बीच संबंध अफ्रीकी अमेरिकी और श्वेत महिलाओं में समान था। लेकिन स्ट्रेटनर का उपयोग अफ्रीकी अमेरिकी महिलाओं के बीच अधिक आम था। वहीं शोधकर्ताओं ने आगाह किया कि रासायनिक स्ट्रेटनर के इस्तेमाल से कुछ ऐसी किरणें निकलती हैं, जो ब्रेस्ट कैंसर को बढ़ावा देता है।

शोध में यह पूछे जाने पर कि क्या महिलाओं को अपने बालों को डाई करना बंद कर देना चाहिए? तो लेख में सह-लेखक डेल सैंडलर ने कहा कि हमने डाई में कई चीजें पाई, जो संभवतः स्तन कैंसर में योगदान कर सकते हैं। पर यह संभावना नहीं है कि कोई भी एक कारक किसी महिला में ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम की व्याख्या करता है। पर ये तय है कि लंबे समय तक डाई का इस्तेमाल हानिकारक है। इससे महिलाओं में ही नहीं पुरुषों में भी कई अन्य बीमारियों के होने का खतरा बढ़ सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर — मे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 3962

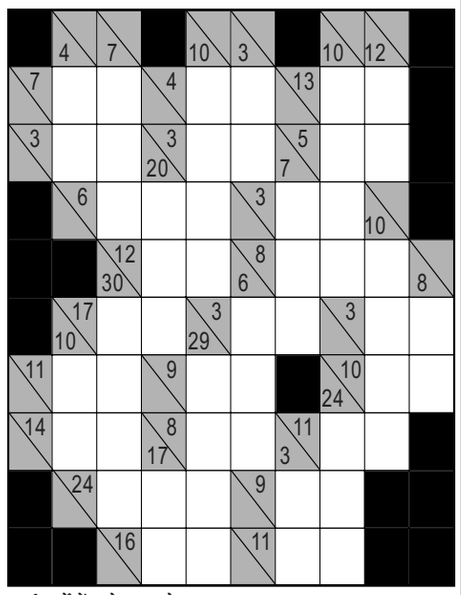

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

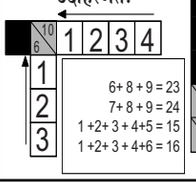

काकुरो - 3961 का हल

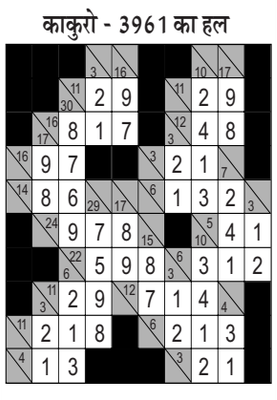

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दुःख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दुःख होता है।

□ □ □

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

□ □ □

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली - 3962

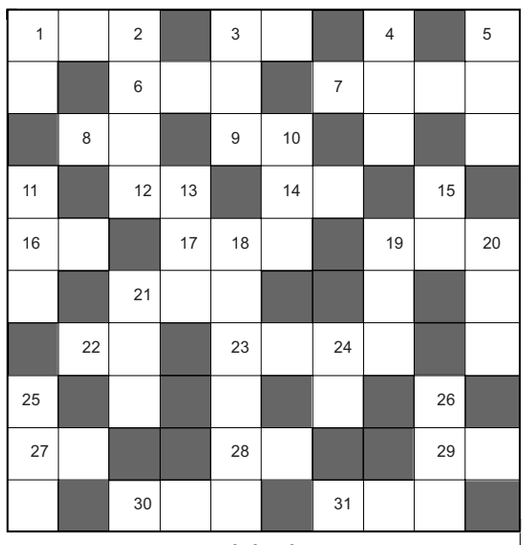

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैंवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3961

बु	लं	दी		अं	दा	ज		य	श
ड्ड		पा	की	जा		मी	ना		ह
मि	ली			म	द	र		स	जा
ल		सू	र्या		डॉ		श	र	दा
ग	द	र		ध	न	वा	न		
या		ज	ख्मी			रि		जी	त
	डि			वि	रा	स	त		र
अ	नो	खा	अं	दा	ज		ला	ड़	ला
ना		मो		ई		जो	श		
ड़ी		शी	बा		ड	र		जु	र्म

सूडोकु -3962

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3961 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 3962

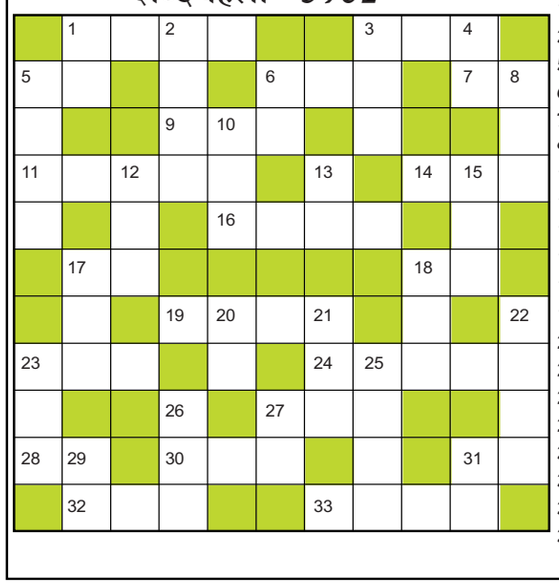

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -3961 का हल

	श	म	शा	न		म	ति	मं	द	
क			य		वी		र			श
र		प	र	ब	र	दि	गा	र		ता
ता	ड़	ना			वा			ज	वा	न
र		ह		प	र	दा		त	री	
	नी		गे	र		म	जा		स	
	र	वि		म	न	न		स		आ
ग	ज	रा			फा			ह	की	म
र		म	ह	सू	स	क	र	ना		द
म			रा		त		खे			नी
	सो	म	ना	थ		य	ल	गा	र	

मैं खुद को बॉलीवुड का हिस्सा मानता हूं

म्यूजिक कंपोजर-प्रोड्यूसर और बैकग्राउंड स्कोर डायरेक्टर अभिजीत वघानी बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में बातचीत में बताया कि इस समय वे टी-सीरीज मिक्सटेप के आगामी सीजन पर काम कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनके इतने सारे क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स में से इस समय उन्हें सबसे ज्यादा व्यस्त कौन सा काम रख रहा है, तो उन्होंने कहा, 'अभी के लिए मेरा पूरा ध्यान 'मिक्सटेप' पर है। इसके बाद मेरी अकादमी का काम है। फिर मैंने हाल ही में 'कॉकटेल 2' का काम पूरा किया है और बॉलीवुड में आगे भी कई फिल्में आने वाली हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुद को बॉलीवुड का हिस्सा मानता हूं। पिछले 27 साल में मैंने कई फिल्मों के लिए काम किया है। 'सूरज डूबा है', 'हाई हील्स', 'आज की पार्टी' और 'देसी बॉयज' जैसे कई गानों का सफर बहुत खास रहा है। यह महसूस करना बहुत अच्छा लगता है कि बॉलीवुड ने मुझे एक प्रोफेशनल और टॉप कैटेगरी के कलाकार के रूप में स्वीकार किया है, जो हमेशा मेरा सपना था। इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।' मिक्सटेप के बारे में बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'मिक्सटेप हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है। 9 साल पहले हमने एक सीजन किया था, जहां हम 'मिक्सटेप' में कुछ चीजें आजमाना चाहते थे। यह एक कवर चीज के तौर पर शुरू हुआ था , जहां हम एक कवर को शानदार बनाना चाहते थे। जैसे टी-सीरीज के कवर और कैटलॉग हैं, वे बहुत बड़े हैं, हमें 26,000-30,000 गानों और उस समय के कवर में से चुनना था।' उन्होंने आगे कहा, 'हम हर एक गाने को कवर करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन जब हमने एक कवर फाइनल किया, तो अचानक मैंने उसे बजाया और उस पर कुछ और गुनगुनाने लगा। हैरानी की बात यह थी कि वह धुन उसके साथ इतनी अच्छी तरह मेल खा गई। फिर हमने सोचा कि क्यों न कुछ अलग किया जाए। हमने तय किया कि इस गाने को दूसरे गाने के साथ मिलाकर एक मैशअप बनाया जाए। इसके बाद हमें महसूस हुआ कि दोनों गानों के बोल, सुर और पूरी बनावट एक-दूसरे के साथ बिल्कुल सही बैठ रहे हैं।'

टीवी सबसे बड़ा स्कूल है, लोग इसे कम क्यों समझते हैं?

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।'' निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।'' उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'

'हैवान' में दृष्टिबाधित लेकिन विशेष क्षमता वाला किरदार निभा रहे हैं सैफ अली खान

'हैवान' में निभाता दिखूंगा भारतीय ब्लाइंड समुराई जैसा किरदार सैफ अली खान जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की एक्शन-थ्रिलर 'हैवान' में दिखेंगे। सैफ इस फिल्म में एक दृष्टिबाधित लेकिन विशेष क्षमता वाले किरदार को निभा रहे हैं। अपने रोल के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनके करियर के सबसे दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है। सैफ ने कहा, 'मेरे दिमाग में यह एक भारतीय ब्लाइंड समुराई जैसा किरदार है। वह देख नहीं सकता, लेकिन उसकी अन्य क्षमताएं असाधारण हैं। सबसे बड़ी चुनौती उसकी शारीरिक भाषा और एक्शन को वास्तविक बनाए रखना था, ताकि वह बनावटी न लगे।

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुईं यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।' बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है।

शहनाज मेरे लिए परिवार जैसी है

राघव जुयाल और शहनाज गिल का नाम पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में है। हाल ही में एक बर्थडे पार्टी से बाहर निकलते वक्त दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में भीड़ के बीच राघव, शहनाज को सुरक्षित बाहर निकालते नजर आए थे। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलों का दौर तेज हो गया। इसी बीच शहनाज गिल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में निजी जिंदगी से जुड़े सवाल को टालते हुए राघव जुयाल को अपना 'बहुत अच्छा दोस्त' बताया था। साथ ही उन्होंने उनकी पहली लीड फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' का समर्थन करते हुए लोगों से फिल्म देखने की अपील की थी। जब राघव जुयाल से उनकी पर्सनल लाइफ और शहनाज गिल के साथ जुड़ रहे नाम को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'देखिए, पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन, हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूं। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूं और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा।

2023 में भी उड़ी थीं डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था।

बच्चों के साथ अभिनय करने को लेकर थोड़ा घबराया हुआ था

अभिनेता नवीन कस्तूरिया अपनी वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' की रिलीज के लिए तैयार हैं। इसमें वह एक ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जो पेशे से स्कूल काउंसलर है, लेकिन निजी जिंदगी में अपनी छोटी बेटी के साथ रिश्ते को समझने और संभालने की कोशिश कर रहा है।

अभिनेता ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा घबराहट एक पिता का रोल निभाने में हो रही थी। नवीन ने कहा, ''अगर आप मुझसे पूछें कि इस शो में सबसे मुश्किल क्या था, तो मेरा जवाब होगा कि काउंसलर का किरदार निभाने से ज्यादा घबराहट पिता का रोल निभाने में हुई। मैं अभी असल जिंदगी में पिता नहीं हूं, इसलिए उस भावनात्मक दुनिया में जाना बिल्कुल नया अनुभव था। एक पिता और बेटी के रिश्ते में प्यार होता है, अपनापन होता है, लेकिन कई बार झिझक भी होती है। इन भावनाओं को समझना मेरे लिए चुनौती भी थी और एक कलाकार के तौर पर सीखने का मौका भी।''

उन्होंने बताया कि बच्चों के साथ अभिनय करना भी आसान नहीं था। नवीन ने कहा, ''मैं बच्चों के साथ अभिनय करने को लेकर भी थोड़ा घबराया हुआ था, क्योंकि बच्चे बहुत सहज और ईमानदारी से अभिनय करते हैं। मेरी बेटी का किरदार निभाने वाली छोटी बच्ची बेहद शानदार कलाकार है। उसके साथ काम करते हुए मुझे भी हर सीन में पूरी ईमानदारी से अभिनय करना पड़ा।''

नवीन ने आगे कहा कि शो में उनका किरदार मुकुल अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है और उसका दोस्त बनना चाहता है, लेकिन इसके बावजूद दोनों अपने मन की बात एक-दूसरे से नहीं कह पाते। उन्होंने कहा, ''मुकुल अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है और उसका दोस्त बनना चाहता है, लेकिन दोनों वैसे बात नहीं कर पाते, जैसी करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि कई परिवार इस स्थिति को महसूस करेंगे। सबसे बड़ी चुनौती उन भावनाओं को पर्दे पर दिखाना था, जो दोनों के बीच बिना बोले रह जाती हैं। उन खामोश पलों में बहुत गहरी भावनाएं छिपी हैं और उन्हें सही तरीके से निभाना मेरे अभिनय के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा।''

'आदर्श बाल विद्यालय' एक कॉमेडी-ड्रामा सीरीज है। इसमें केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, अभिमन्यु सिंह, प्रसन्ना बिष्ट, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी और प्राची शाह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस सात एपिसोड की सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है। इसे बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले बनाया है। 'आदर्श बाल विद्यालय' प्राइम वीडियो पर हिंदी और अंग्रेजी भाषा में स्ट्रीम होगी।

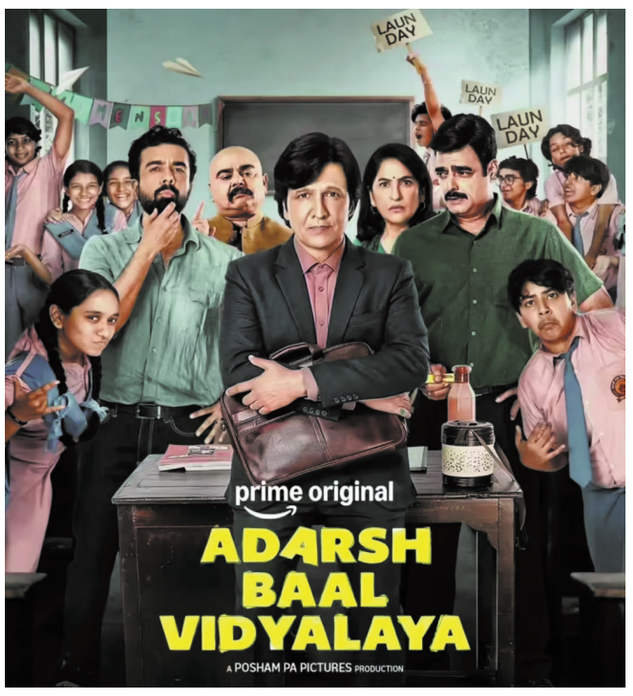

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।